भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(युवा कार्य विभाग)

एवं

(खेल विभाग)

कैलेण्डर वर्ष 2008 के लिए

संक्षिप्त विवरण

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(युवा कार्य विभाग)

एवं

(खेल विभाग)

कैलेण्डर वर्ष 2008 के दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (युवा कार्य विभाग) और (खेल विभाग) की संक्षिप्त गतिविधियों से संबंधित विवरण

विषय सूची

क्र० सं०	विषय/शीर्षक	पृष्ठ सं०
क.	**सिंहावलोकन**	
ख.	**युवा कार्य विभाग**	
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन	
2.	राष्ट्रीय सेवा योजना	
3.	युवाओं और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम	
4.	राष्ट्रीय साहस /युवा पुरस्कार	
5.	राष्ट्रीय युवा महोत्सव	
6.	स्काउटिंग और गाइडिंग	
7.	युवा छात्रावास	
8.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान	
9.	अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं का आदान-प्रदान	
10.	राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम	
ग.	**खेल विभाग**	
1.	बीजिंग औलंपिक्स, 2008	
2.	पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान	
3.	राष्ट्रमंडल खेल, 2010	

4. भारतीय खेल प्राधिकरण

5. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर

6. राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की स्कीम

7. प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण से संबंधित स्कीम

8. राष्ट्रीय खेल विकास निधि

9. खेल पुरस्कार

10. विशिष्ट खिलाड़ियों को पेंशन के लिए खेल निधि

11. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण निधि

12. डोप-विरोधी उपाय

13. खेल और शारीरिक शिक्षा टीम/विशेषज्ञों का अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान

अनुबंध 1 – एनपीवाईएडी योजना के अंतर्गत जारी की गई निधियों का ब्यौरे

अनुबंध 2 – राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ता 2006–07

क. सिंहावलोकन

युवा भारत की जनसंख्या का लगभग चालीस प्रतिशत है । इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इस उत्प्रेरक और सशक्त संसाधन का न खेल देश के लाभ के लिए उपयोग किया जाए बल्कि उन्हें योजना और विकास प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए जाए । युवा पुरूष और महिला राष्ट्रीय विकास के सहयेग दे सकें, इसके लिए यह महत्वपूर्ण हे कि वे निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी रूप से भाग ले सकेकं । इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने हाल ही में देश के युवाओं के लिए राष्ट्रीय युवा नीति की घोषणा की है ताकि बदलते सामाजिक आर्थिक परिदृश्य के साथ बने रह सकें और उभरते युवा मामलों पर ध्यान दिया जा सके । एक राष्ट्रीय युवा आयोग की स्थापना की गई थी ताकि वह युवा बेरोजगरी पर विशेष ध्यान देते हुए भारत के युवाओं को हो रही समस्याओं के प्रभावी निवारण के लिए सरकार को अपनी सिफारिशें प्रदार करें । आयोग की सिफारिशों पर विचार किया गया और 11वीं योजना के दौरानर मंत्रालय में दो नये स्कीमें (i) किशोर और युवा विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (पुनर्गठित स्कीम) तथा (ii) पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान आरंभ की गई ।

29 अप्रैल, 2008 से केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र प्रभार में, दो अलग-अलग सचिवों के प्रभार में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय को दो विभागों नामतः युवा कार्य विभाग और खेल विभाग में बांटा गया है ।

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्रियों का सम्मेलन

राज्य एवं संघा राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ खेल और युवा कार्य से संबंधित मुद्दों पर विचार विमर्श करने के लिए माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 एम0 एस0 गिल की अध्यक्षता में 9 जुलाई, 2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रें के राज्य मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया ।

सम्मेलन को अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और लगभग सभी युवा कार्य एवं खेल राज्य मंत्रियों/राज्य सचिवों ने इस सम्मेलन में भाग लिया । एक बड़े ही स्वतंत्र और स्वच्छंद माहौल में युवा

कार्य विभाग की नई आरंभ की गई एकछत्र स्कीम नामतः युवा और किशोर विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया । इस अवसर पर खेल विभाग ने पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान की नई स्कीम आरंभ की ।

<u>ख. युवा कार्य विभाग</u>

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

<u>परिचय</u>

नेहरू युवा केन्द्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का एक स्वायत्तशासी निकाय है । एन.वाई.के.एस. देश के 500 जिलों में फैले हुये हैं । यह विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में उभरा है और यह 8 मिलियन से भी अधिक गैर छात्र ग्रामीण युवाओं की पूर्ति करता है, जिसमें लगभग 2.58 लाख ग्राम स्तरीय युवा क्लब पंजीकृत हैं । ये युवा क्लब शिक्षा और प्रशिक्षण, जागरूकता पैदा करने, कौशल विकास, स्व रोजगार उधमशीलता विकास, लघु बचत एवं सहकारिता जैसे क्षेत्रों में कार्यरत होने के साथ साथ खेल और साहसिक कार्यो के माध्यम से शारीरिक तथा व्यावहारिक नये विचारों और विकासोन्मुखी रणनीति के माध्यम से मानसिक विकास में लगे हैं । कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए प्रत्येक जिले में नेहरू युवा केन्द्र का जिला युवा समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा कर्मियों और अग्रणी युवाओं का कैडर है । ग्रामीण स्तर पर कार्यरत युवा क्लबों का विशाल नेटवर्क नेहरू युवा केन्द्र संगठन की ताकत है ।

एन.वाई.के.एस. अपना कार्य दो श्रेणियों के कार्यक्रमों अर्थात नियमित कार्यक्रम जैसे स्थानीय आवश्यकता के अनुसार खेलकूद और सामाजिक मामलों का पता लगाने के लिए अभियान, संसाधन और पहले, समीक्षा तथा आयोजना के लिए बक स्तर पर युवा नेताओं की बैठक, युवा क्लब पदाधिकारियों सदस्यों का प्रशिक्षण, खेलकूद तथा टूर्नामेंट एवं खेलकूद सामग्री की खरीद, साहस उन्नयन कार्यक्रम, जिला लोक सांस्कृतिक महोत्सव, जिला/राज्य युवा अवार्ड (व्यक्तिगत), राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिवस तथा सप्ताहों का आयोजन, श्रमदान शिविर (कार्य-शिविर), डी.ए.सी.वाई.पी. की तिमाही बैठकें, प्रलेखन, युवा एवं खेल के ईष्टतम अभिसरण के लिए युवा क्लबों को सहायता अनुदान, युवा और हस्तशिल्प (युवा कृति) प्रदर्शनी, पंचायत युवा शक्ति अभियान (पी.वाई.एस.ए.) एन.एस.वी. एवं एन.वाई.एस. का राष्ट्रीय सम्मेलन, और आवश्यकता आधारित विशेष कार्यक्रम तथा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय सेवा कर्मी, युवा क्लबों को वित्तीय सहायता, जिला, राज्य, एवं राष्ट्र स्तर पर उत्कृष्ट युवा क्लबों तथा युवा विकास केन्द्र को पुरस्कृत करने के लिए मंत्रालय द्वारा इसे सौंपी गयी स्कीमों जैसे नियमित कार्यक्रमों के माध्यम से सम्पन्न करता है । अन्य मंत्रालयों और संगठनों के साथ मिलकर विशिष्ट कार्यक्रमों का समन्वय करता है ।

नियमित कार्यक्रम

1. स्थानीय आवश्यकता, संसाधनों तथा पहलों के अनुसार खेलकूद तथा सामाजिक मामलों की पहचान करने का अभियान कार्यक्रम

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य 5 खेलकूद तथा खेल (2 औलंपिक, 2 स्वदेशी तथा एक स्थानीय) और 5 स्थानीय सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों की पहचान करने के लिए जिले में युवा क्लबों/महिला मंडलों को प्रोत्साहित तथा प्रेरित करना है ताकि खेलकूद टूर्नामेंट आयोजित करने और खेलकूद अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान (पी.वाई;के.के.ए.) की स्कीम के अंतर्गत परियोजना प्रस्तावों के निष्पादन के लिए अपनी वार्षिक कार्य योजना (क्रियाकलाप का चार्ट) एवं बजट तैयार करने के लिए युवा क्लबों को समर्थ बनाया जा सके और एन.वाई.के.एस. वार्षिक कार्य योजना और विभिन्न युवा विकास स्कीमों तथा कार्यक्रमों के बारे में युवा क्लबों/महिला मंडलों को अवगत कराया जा सके। प्रत्येक अभियान के लिए 8000/ रूपए रखे गए हैं।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 174541 युवाओं (76402 पुरूष तथा 98139 महिला) की भागीदारी के साथ 686 अभियान आयोजित की गई ।

2. जिला युवा समन्वयकों द्वारा समीक्षा तथा आयोजना के लिए ब्लाक स्तरीय युवा नेताओं की बैठक :

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों /महिला मंडलों को एन.वाई.के.एस. वार्षिक कार्य योजना के बारे में अवगत कराना तथा विभिन्न युवा विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना तथा मौजूदा युवा क्लबों को सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें स्वयं को कायम रखने में समर्थ बनाया जा सके। प्रत्येक वैकल्पिक माह में, जिला युवा समन्वयकों द्वारा समीक्षा एवं आयोजन बैठक आयोजित की जाती है ।

एन.वाई.के.एस के चल रहे कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की समीक्षा करने, और संरचनात्मक उपाय सुझाने, युवा विकास के लिए नवीन परियोजनाएं एवं कार्यक्रम की योजना के लिए, वर्तमान युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और युवा विकास के लिए सरकार की चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय निदेशकों के स्तर पर सभी क्षेत्रीय समन्वयकों तथा जिला युवा समन्वयकों की 6 द्विमासिक बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 30120 युवाओं (19163 पुरूष तथा 10957 महिला) की भागीदारी के साथ 313 बैठक आयोजित की गई ।

3. युवा क्लब पदाधिकारियों और सदस्यों का प्रशिक्षण

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का विषय सशक्त युवा है । प्रशिक्षण विशेष रूप से खेलकूद तथा खेल और सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रम/क्रियाकलापों के माध्यम से युवा क्लब पदाधिकारियों तथा सदस्यों में नेतृत्व के गुण विकसित करना ताकि वे विख्यात संस्थान के माध्यम से युवा विकास के लिए सरकार तथा अन्य विकास विभागों/एजेंसियों की विभिन्न स्कीमों एवं कार्यक्रमों के बारे में जागरूक बनाने और व्यावसायिक कौशल में सुधार, क्षमता निर्माण में सुधार करने तथा नया कौशल सीखने, जिसकी बाजार में मांग बढ़ रही है, के लिए कार्य के उनके क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करने के लिए केन्द्रीय बिन्दु का कार्य कर सकें ।

इसका एक अन्य उद्देश्य युवा क्लब के सदस्यों तथा पदिधिकारियों को सशक्त बनाना है ताकि वे सामुदायिक विकास के उन्नयन और राष्ट्र निर्माण में आत्मविश्वासी उत्प्रेरक बन सके । युवा क्लब मूवमेंट को देश के प्रत्येक कोने में ले जाने का विचार है ताकि वह जगह के युवा धर्मनिरपेक्ष और प्रजातांत्रिक आदर्शो को जान सकें और उन्हें नेतृत्व के गुण विकसित किए जा सकें ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 37347 युवाओं (22097 पुरूष तथा 15250 महिला) की प्रतिभागिता से 803 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

4. खेलकूद टूर्नामेंट एवं खेलकूद सामग्री की खरीद

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रव्यापी खेलकूद की संस्कृति का निर्माण करना और ग्रामीण खेलकूद प्रतिभा का पता लगाना है । औलंपिक/स्वदेशी तथा स्थानीय तौर पर लोकप्रिय खेल तथा खेलकूद में लीग/मैच आयोजित करके युवाओं में स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन की भावना को लोकप्रिय बनाने पर जोर दिया जा रहा है । इसके लिए न्यूनतम अवसंरचना, उपकरण तथा वित्त की आवश्यकता होती है । ये खेलकूद टूर्नामेंट ब्लाक तथा जिला स्तर पर आयोजित किए जाते हैं ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 1480064 युवाओं (544580 पुरूषों तथा 935484 महिलाओं) की प्रतिभागिता से 814 टूर्नामेंट अभियान आयोजित किए गए ।

5. जिला लोक सांस्कृतिक समारोह

उद्देश्य : सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सामंजस्य, सदभावना और शांति है । इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले की सांस्कृतिक विरासत के बहु आयामी पहलुओं पर प्रकाश डालना और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना, लोकगीतों, लोकनृत्यों और लोकसाहित्य की परंपराओं को प्रोजेक्ट तथा संरक्षण करना और लोकनृत्य, लोकसंगीत और लोक साहित्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामुदायिक सदभाव, सदभावना तथा शांति को बढ़ावा देना है । नुक्कड़ नाटक, प्रहसन, लोकगीत, नृत्य और कठपुतली का आयोजन, लैंगिक सुग्रहयता,

एचआईवी, एडस, औषधि के दुरूपयोग और दहेज जैसी सामाजिक बुराईयों के विरूद्ध लड़ाई जैसे उद्देश्यों हेतु किया जाता है । ये कार्यक्रम स्थानीय प्रतिभा की पहचान करने तथा उन्यन करने के लिए उत्कृष्ट मंच भी प्रदान करते हैं । जिला स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 5004 युवाओं (2719 पुरूष तथा 2285 महिला) की प्रतिभागिता से 35 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

6. जिला/राज्य युवा पुरस्कार : (व्यक्तिगत) :

उद्देश्य : जिला युवा पुरस्कार उन युवाओं को दिये जाते हैं जिन्होंने विकास तथा स्वैच्छिक प्रयासों के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । जिला युवा पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों पर विचार करते समय उनके द्वारा सफलतापूर्वक स्वैच्छिक क्रियाकलापों को पूरा करने में प्रदर्शित किये गये नेतृत्व के गुणों को ध्यान में रखा जाता है । यह कार्यक्रम युवाओं को और युवा नेताओं को उनके नि:स्वार्थ, सामाजिक/ विकासात्मक मोर्चे पर सर्वोच्च कार्य निष्पादन के लिए सहयोग प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है । व्यक्ति द्वारा नवीन अथवा नये विचार को उचित महत्व दिया जाता है ।

प्रत्येक जिला युवा पुरस्कर में एक प्रमाण पत्र और 5000 रूपए प्रदान किए जाते हैं । प्रत्येक एन.वाई.के.एस एन.वाई.के. केवल 2 (दो) पुरस्कर एक पुरूष तथा एक महिला के लिए प्रदान करते हैं । यह पुरस्कार प्राप्त करने वालों के लिए प्रोत्साहन का एक स्रोत तथा भविष्य में जिले के अन्य लोगों के लिए एक उदाहरण है ।

इसी प्रकार राज्य युवा पुरस्कर भी एक पुरूष तथा एक महिला के लिए प्रदान करते हैं । इन पुरस्कारों में एक प्रमाण पत्र और 15000 रूपए प्रदान किए जाते हैं । यह पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के लिए प्रोत्साहन के एक तथा अन्यों के लिए एक उदाहरण है ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान जिला स्तर पर 1000 तथा राज्य स्तर पर 70 युवा पुरस्कार प्रदान किए गए ।

7. **राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय दिवसों तथा सप्ताहों का आयोजन**

उद्देश्य : राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दिवसों और सप्ताहों के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दिवसों के महत्व उद्देश्य, विषय दर्शन के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है । यह कार्यक्रम विशेष रूप से राष्ट्र तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों तथा महापुरूषों और महिलाओं के संदेशों के प्रति लोगों तथा युवाओं को संवेदनशील बनाने में मदद करता है ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 519398 युवाओं (328737 पुरूष तथा 190661 महिला) की प्रतिभागिता से 3899 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

8. **श्रमदान शिविर (कार्य शिविर)**

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों के सदस्यों में स्वयं सेवा तथा सहयोग की भावना का उन्नयन करना है । कार्य शिविर श्रमिक की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं और स्वयं सहायता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं । निरन्तर सामुदायिक परिसम्पत्तियों का निर्माण करने के लिए प्रतिभागी समुदाय के सदस्यों के साथ काम करते हैं । सहयोग तथा स्वयं सेवा की इस भावना को बढ़ावा देते समय वे युवा क्लब के सदस्यों को परियोजना आयोजना तथा कानूनी प्रबंध अवधारणा के सभी पहलुओं को बताते हैं । कार्यशिविर का आयोजन सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से स्थानीय पहलों, स्थानीय आवश्यकताओं तथा स्थानीय संसाधनों को गतिशील बनाकर किये जाते हैं ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 15640 युवाओं (5844 पुरूष तथा 9796 महिला) की प्रतिभागिता से 162 शिविर आयोजित किए गए ।

9. **युवा कार्यक्रम पर जिला प्रशासन/युवा कार्यक्रम पर राज्य सलाहकार समिति की तिमाही बैठकें (डीएसीवाईपी//एसएसीवाईपी)**

उद्देश्य : युवाओं को अपेक्षित सेवा देने के क्रम में, जिला प्रशासन, जिला प्राधिकरण उदीयमान कार्यकर्ता और युवा नेताओं, दिशानिर्देश और सरलीकरण के लिए जिला स्तर पर नेहरू युवा केन्द्र का संबंध है । इस उद्देश्य के लिए, डीएसीवाईपी का गठन किया गया है और जिला कलक्टर की अध्यक्षता में त्रैमासिक बैठकों का आयोजन किया जाता है । इसी प्रकार युवा कार्यक्रमों (एसएसीवाईपी) पर प्रत्येक राज्य में सलाहकार समिति का गठन किया गया है ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान 4593 युवाओं (3434 पुरूष तथा 1159 महिला) की सहभागिता से 301 कार्यक्रम आयोजित की गई ।

10. युवाओं तथा खेलकूद का ईष्टतम अभिसरण प्राप्त करने के लिए युवा क्लबों को प्रोत्साहन

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों/महिला मंडलों द्वारा किये गये कार्य को मान्यता प्रदान करना है ताकि ग्रामीण युवाओं को अपने खेलकूद की प्रतिभा को विकसित करने, और खेल तथा सामाजिक क्षेत्र में विद्यमान योजनाओं से लाभ प्राप्त करने, यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक युवा क्लब खेलकूद तथा सामाजिक मामलों में 100 व्यक्ति को लक्ष्य में से प्रत्येक को सहायता/लाभ प्रदान करते हैं, युवा क्लबों /महिला मंडलों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना और सामुदायिक विकास परियोजनाओं/कार्यक्रमों के लिए संसाधन हेतु तरीके और साधानों का पता लगाने के लिए युवा क्लबों को प्रत्साहित करने के अवसर प्रदान किये जा सके । प्रत्येक जिला 30 प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान करने हैं बशर्ते कि उस जिले के युवा क्लब /महिला मंडल ने अभिसरण प्राप्त किया हो । प्रत्येक जिले के 10 मुख्य युवा क्लबों /महिला मंडलों को प्रत्येक को 10,000 रूपए प्रदान किये जाते हैं । अगले 20 युवा क्लबों /महिला मंडलों को प्रत्येक जिले में प्रत्येक को 5,000 रूपए प्रदान किए जाते हैं ।

युवा क्लबों /महिला मंडलों को प्रोत्साहन लाभग्राहियों की संख्या और चालू वर्ष के दौरान खेलकूद तथा खेल एवं युवा क्लब द्वारा किये गये सामाजिक कार्यकलापों से उनको हुये लाभों, के आधार पर प्रदान किये जाते हैं ; जिला युवा समन्वयकों को पात्र युवा क्ल्बों का तुलनात्मक चार्ट, तैयार करना चाहिए । प्रोत्साहन का उपयोग विशुद्ध रूप से कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के लिए किया जाता है न कि सामानों अथवा परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए । ये प्रोत्साहन वित्त वर्ष के अंत में दिए जाते हैं ।
उपलब्धि : 2008 के दौरान 15000 युवा क्लबों को प्रोत्हसान दिया गया ।

11. स्वतन्त्रता संग्राम तथा राष्ट्र निर्माण पर जिला युवा सम्मेलन

उद्देश्य : इसका उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय चिंता तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के बारे में युवाओं में जागयकता पैदा करना, कल्याण विकास तथा अवसरों तक पहुंच के क्षेत्र में ग्रामीण समुदायों के मुद्दे शेयर करना, और युवा क्लब के सदस्यों को विभिन्न मंत्रालयों/एजेंसियों/विभागों की विभिन्न स्कीमें/कार्यक्रमों के बारे में ज्ञान प्रदान करना है । सम्मेलन की अवधि एक दिन होती है और सम्मेलन में कम से कम 300 पुरूष तथा महिला, दोनों भाग लेते हैं ।

सदस्य ग्रामीण उत्थान से संबंधित सभी मामलों में ग्रामीण समुदायों के साथ विचार विमर्श करते हैं, और युवा कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए परिणाम का प्रलेखन करते हैं । युवाओं को प्रेरित करने और

विकास के विभिन्न पहलुओं में उनकी भूमिका स्पष्ट करने के लिए समाधान हेतु विशेषज्ञ आमंत्रित किये जाते हैं । प्रत्येक वर्ष वित्त वर्ष के अंत में एक जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है ।

उपलब्धि : 2008 के दौरान राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान 500 जिलों में सम्मेलन आयेजित किए गए । सम्मेलन की थीम आतंकवाद तथा हिंसा के विरूद्ध युवा थी ।

12. युवा क्लबों को अनुदान सहायता

उद्देश्य : सामुदायिक विकास के लिए युवा क्लबों /महिला मंडलों की स्वैच्छिक सेवाओं को मान्यता प्रदान करने के लिए युवा क्लबों को अनुदान सहायता नामक एक कार्यक्रम, 2007-08 से नेह.यु.के.सं. की स्कमों में जोड़ा गया है । इसमें युवा क्लब, ग्रामीण खेल क्लब, युवा विकास केन्द्र और ग्रामीण सुचना तकनीक युवा विकास केन्द्र को दी जाने वालीर वित्तीय सहायता की जगह ली है । घटकवार उद्देश्य तथा उपपलब्धियां निम्नलिखित है :

(क) युवा युवा क्लबों को वित्तीय सहायता

इस योजना का उद्देश्य नए युवा क्लबों को प्रोत्साहित करना है । इस योजना के अंतर्गत सामान्य क्षेत्र के लिए प्रत्येक युवा क्लब को 10,000 रूपए तथा आदिवासी क्षेत्रों के लिएप्रत्येक युवा क्लब को 15,000 रूपए तक की सहायता दी जाती है । यह युवा क्लब सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 अथवा संबंधित राज्य अधिनियम 1906 के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए ।

2008 के दौरान (नवम्बर, 2008 तक) 1747 युवा क्लबों को वित्तीय सहायता दी गई ।

(ख) ग्रामीण खेलकूद क्लब

उद्देश्य :इस योजना का मुख्य उद्देश्य एक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए युवाओं की ऊर्जा को देशव्यापी खेल क्लब संस्कृति के उदय द्वारा मार्गीकृत करने में सहायता करना और दूसरी और ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभा का पता लगाना और उन्हें पोषित करना है । ऐसे प्रत्येक क्लब के लिए सामान्य क्षेत्रों में 30,000 रूपए और आदिवासी क्षेत्र के लिए 45,000 रूपए की राशि बजट में रखी गयी है ।

2008 के दौरान (नवम्बर 2008 तक) ग्रामीण खेलकूद क्लबों की स्थापना के लिए 524 युवा क्लबों को सहायता प्रदान की गई ।

(ग) युवा विकास केंद्र(वाईडीसी)

उद्देश्य : इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवा विकास केन्द्र के माध्यम से देश में ग्रामीण युवाओं का समग्र विकास करना है । यह केंद्र 10 गांव के एक समूह के लिए कार्य करेंगे । युवा विकास केंद्र को ग्रामीण

क्षेत्रों में युवाओं के लिए सूचना, प्रशिक्षण और खेल विकास केन्द्र के रूप में कार्य करना है । प्रत्येक युवा विकास केदं को 30,000 रूपए की एकबारगी वित्तीय सहायता दी जाती है ।

2008 के दौरान 197 युवा क्लबों को उन्नत कर युवा विकास केंद्र बनाया गया ।

(घ) उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार

उद्देश्य :इस योजना का उद्देश्य उन युवा क्लबों की वृद्धि को प्रोत्साहित करना है जो सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में पहचाने गए हैं । जिला स्तर पर पुरस्कार राशि 10,000 रूपए, राज्य स्तर पर 25,000 रूपए और राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थानों के लिए क्रमशः 1,00,00 रूपए, 50,000 रूपए और 25,000 रूपए हैं ।

(ङ). ग्रामीण सूचना प्रौद्योगिकी युवा विकास केन्द्र (आरआईटीवाईडीसी)

उद्देश्यः युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई, इस नये घटक का उद्देश्य प्रत्येक जिले में एक युवा विकास केन्द्र का उन्नयन कर उसे ग्रामीण सूचना प्रौद्योगिकी युवा विकास केन्द्र बनाना है । आरआईटीवाईडीसी को जनरेटर, कलर, टी.वी. टेलीफोन की खरीद और इंटरनेट सुविधाओं सहित कंप्यूटर आदि के लिए 1,20,000/-रू0 का सहायता अनुदान दिया जाता है । ये केन्द्र कंप्यूटर तथा इंटरनेट के माध्यम से हर क्षेत्र में सभी युवाओं के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर युवा कायकलापों और सूचना प्रदान करने का केन्द्र है ।

उपलब्धिः 2008 के दौरान (नवम्बर, 2008 तक) 5 युवा विकास केन्द्रों को आरआईटीवाईडीसी के रुप में उन्नत किया गया है |

13. हस्तशिल्प पर युवाओं के लिए प्रदर्शनी (युवाकृति)

उद्देश्यः इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण शिल्पों के लिए बाजार विकसित करने के लिए पारम्परिक और ग्रामीण हस्तशिल्प को लोकप्रिय बनाने के लिए युवा व्यक्तियों की स्वाभाविक प्रतिभा को विकसित करना है | एक अन्य उद्देश्य युवा ग्रामीण शिल्पकारों को प्रोत्साहित और प्रोन्नत करना तथा स्व-रोजगार आरम्भ करने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीण बाजार का उन्नयन करना है |

युवाकृति राष्ट्रीय युवा महोत्सव की नियमित विशेषता भी बन गयी है | आरम्भ में इसे उन युवा शिल्पकारों को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए आरम्भ किया गया था, जिन्हें एनवाइकेएस व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर अपना कौशल प्रदर्शित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया है | किन्तु धीरे-धीरे यह प्रमुख मंच का रुप ले रहा है | जहां युवा शिल्पकार न केवल अपने परम्परागत कारीगरों का प्रदर्शन करते हैं किन्तु एक दूसरे से, बाजार लिंकेज विकसित करने के लिए स्वरोजगार मार्ग तथा प्लेटफार्म के विभिन्न तरीके भी सीखते हैं | इसने ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमशीलता के अवसरों के नए परिदृश्य खोले हैं |

उपलब्धि: 2008 में राज्य की राजधानियों में सभी 18 क्षेत्रीय कार्यालयों में युवाकृति का आयोजन किया जा रहा है |

14. पंचायत युवा शक्ति अभियान (पीवाईएसए)

उद्देश्य: "पंचायत युवा शक्ति अभियान" नामक एक राष्ट्रव्यापी अभियान की परिकल्पना ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज संस्था के माध्यम से प्रजातंत्र के लिए युवाओं को उर्जावान बनाने के लिए की गयी है | इस अभियान की परिकल्पना ग्राम पंचायतों को तथा युवा क्लबों का युवाओं द्वारा चलाया तथा अपनाया जाना है | पंचायत युवा शक्ति अभियान 2006-07 के दौरान चलाया गया था | यह अभियान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार का संयुक्त उद्यम है और यह महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार करने के लिए युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रति एक क्रांतिकारी कदम है | नेहरु युवा केन्द्र संगठन ने वार्षिक कार्य योजना 2008-09 में 33.00 लाख रु0 का बजटीय प्रावधान किया है |

उपलब्धि: इस अभियान के अंतर्गत कोर समिति के गठन सहित कोर समिति की बैठकें राज्य स्तरीय सम्मेलन, जिला स्तरीय सम्मेलन तथा ग्राम सभा सशक्तिकरण (अधिकारिता) अभियान चलाए जाते हैं |

15. एनएसवी तथा एनवाइएस का राष्ट्रीय सम्मेलन

उद्देश्य: इस सम्मेलन का उद्देश्य पंचायती राज तथा ग्राम सभा के बारे में जागरुकता पैदा करना, एनवाइकेएस तथा अन्य मंत्रालयों, एजेंसी स्कीमों, कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों के बारे में अवगत कराना और कल्याण विकास तथा अवसर प्राप्त करने के क्षेत्र में ग्रामीण समुदाय के मुद्दों के बारे में उन्हें प्रशिक्षित करना है। एनएसवी तथा एनवाइकेएस को नई दिल्ली में आमंत्रित किया जाता है जहां इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाता है।

उपलब्धि: 2008 के दौरान, 15640 युवाओं (5844 पुरुष और 9796 महिला) की सहभागिता से एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

16. आवश्यकता आधारित विशेष कार्यक्रम

उद्देश्य: स्थानीय आवश्यकता आधारित परियोजनाओं की सहायता करना, अन्य मंत्रालयों/एजेंसियों से परियोजनाएं आरंभ करते समय नेहरु युवा केन्द्र संगठन के हिस्सेदारी की राशि की आवश्यकता की पूर्ति के लिए तथा प्राकृतिक आपदाओं के क्षेत्र में, मानव निर्मित विपत्ति अथवा विशेष परिस्थितियों में परियोजनाएं आरंभ करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

उपलब्धि: 2008 के दौरान (नवम्बर, 2008 तक), उपर्युक्त प्रयोजन के लिए 70.00 लाख रु0 की राशि उपयोग कर ली गई है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0)

प्रारंभिक: युवा कार्य विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का मुख्य कार्यक्रम है और इसका लक्ष्य सतत सामुदायिक अन्योन्यक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों और अध्यापकों के बीच स्वयंसेवी कार्य की भावना भरना है। योजना गाँधीजी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में 37 विश्वविद्यालयों में शुरू की गयी थी जिसमें सामुदायिक सेवा के माध्यम से 40,000 छात्रों को शामिल करते हुए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करने की ओर

प्राथमिक ध्यान दिया गया था । आज पूरे देश में राष्ट्रीय सेवा योजना की नामावली में 208 विश्वविद्यालयों और 41(+2) वरिष्ठ माध्यमिक परिषदों तथा व्यावसायिक शिक्षा निदेशालय, जिसमें 3.2 मिलियन विद्यार्थी से अधिक हैं ।

गतिविधियां/कार्यक्रम

एन0एस0एस0 स्वयंसेवक दो प्रकार के कार्यक्रम नियमित कार्यक्रम तथा विशेष शिविर कार्यक्रम अर्थात आयोजित करता है । नियमित गतिविधियों के दौरान, एन0एस0एस0 स्वयंसेवक लगातार दो वर्षों तक वे प्रति वर्ष 120 घण्टे देते हैं, जिसमें एन.एस.एस. संबंधी सामान्य अभिविन्यास के 20 घण्टे शामिल हैं । विशेष शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना का एक अभिन्न अंग होता है । यह युवाओं के लिए विशेष अपील होती है क्योंकि यह समूह रहन-सहन के लिए विद्यार्थियों को अनोखा सुअवसर, सामूहिक अनुभव की भागीदारी और समुदाय के साथ सतत अन्योन्यक्रिया प्रदान करता है । विशेष शिविर का वर्तमान विषय स्वस्थ भारत का स्वस्थ युवा है । प्रत्येक वर्ष प्रति एन0एस0एस0 एकक स्वयंसेवकों का 50% विशेष शिविरों में जो 7 दिन की अवधि का होता है । सहभागिता के लिए आशा की जाती है ।

वित्तीय वर्ष में नियमित गतिविधियों के लिए 32.57 लाख स्वयंसेवकों को नामांकन करने के लक्ष्य के विरुद्ध 32,57104 स्वयंसेवक पहले ही नामांकित किये गये हैं । अपनाये गये गांवों में अभी तक 9490 विशेष शिविर आयोजित किये गये हैं । नियमित गतिविधियों के अंतर्गत एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण और सम्पनीकरण के लिए कार्यक्रम आयोजित किये और पूरे देश में हजारों पौधे लगाये । स्वयंसेवक विभिन्न अभियानों जैसे पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान, रक्तदान, मुंबई विश्वविद्यालय के एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों ने मुंबई पर आतंकवादी हमले के दौरान राज्य प्रशासन और पुलिस की सहायता की तथा रक्त के 600 यूनिट दान किये ।

प्रि-रिपब्लिक डे कैम्प-2009

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 26 जनवरी को राजपथ पर रिपब्लिक डे परेड में सहभागिता के लिए एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों का दल प्रतिवर्ष "रिपब्लिक डे परेड" के राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता के लिए

पाँच क्षेत्रों में जैसे-पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी दक्षिणी और केन्द्रीय क्षेत्र में पाँच प्री रिपब्लिक डे परेड शिविर आयोजित करता है | इस वर्ष लंबे माह का शिविर आयोजित करता है | इस वर्ष लंबे माह का शिविर अम्बेडकर भवन, रानी झांसी मार्ग रोड, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था जहां सभी देशों से 200 एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों और 15 कार्यक्रम अधिकारी तथा एन0एस0एस0 अधिकारियों ने भाग लिया | शिविर में उनके ठहरने के दौरान, स्वयंसेवक शारीरिक स्वस्थता संबंधी गतिविधियों जैसे-पी0टी0, योगा, शैक्षणिक गतिविधियां, विभिन्न प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक गतिविधियों आदि में शामिल हुए थे | भारत के उपराष्ट्रपति ने शिविर का दौरा किया | स्वयंसेवकों ने महामहिम राष्ट्रपति तथा भारत के प्रधानमंत्री को बुलाया था |

इंदिरा गांधी एन0एस0एस0 पुरस्कार

इंदिरा गांधी एन0एस0एस0 पुरस्कार एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों, कार्यक्रम समन्वयकों, को निःस्वार्थ सेया को मान्यता देने के लिए गठन किया गया था | इंदिरा गांधी एन0एस0एस0 पुरस्कारों का चार स्तर पर गठन किया गया था और प्रतिवर्ष दिये जाते हैं जिसके ब्यौरे निम्नानुसार हैं:-

क्र0सं0	श्रेणी	पुरस्कारों की राशि	पुरस्कारों का मूल्य	कुल पुरस्कार राशि (रु0 में)
1	विश्वविद्यालय/+2 परिषदों (राज्य स्तर)	1	1,00,000 रु0 (प्रत्येक) (एन0एस0एस0 कार्यक्रम विकास के लिए)	1,00,000
2	एन0एस0एस0 कार्यक्रम अधिकारी	6	10,000 रु0 (प्रत्येक)	60,000
3	एन0एस0एस0 एकक	6	35,000 रु0 (प्रत्येक) एन0एस0एस0 कार्यक्रम विकास के लिए)	2,10,000
4	एन0एस0एस0 स्वयंसेवक	16	8,000 रु0 (प्रत्येक) छात्रों/स्वयंसेवकों द्वारा किए गए स्वयंसेवी समुदाय के लिए	1,28,000
	कुल पुरस्कार राशि			**4,98,000**

युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

युवा किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम नामक यह योजना 10वीं योजना के दौरान नामतः युवा गतिविधियों और प्रशिक्षण का संवर्धन, राष्ट्रीय एकीकरण का संवर्धन, साहस का संवर्धन और किशोरों के विकास तथा अधिकारिता का संवर्धन, उसी प्रकार के उद्देश्यों के साथ योजनाओं के गुणात्मकता को कम करने की दृष्टि से, निधिकरण पैटर्न और कार्यप्रणाली कार्यान्वयन में एकरुपता सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर और संस्थागत निधियों की उपलब्धता में विलंब को दूर करने तथा परियोजना के गठन और

इसके कार्यान्वयन में राज्य सरकारों की सहभागिता के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की चार 100% केन्द्रीय क्षेत्र सहायता अनुदान योजनाओं को मिलाकर गठन किया गया है | यद्यपि प्रचनात्मक कार्यप्रणाली और कार्यक्रम शैली में सहयोगी और समाभिरुपता होगी | योजना के अंतर्गत घटकों के प्रत्येक वित्तीय पैरामीटर के संबंध में स्पष्ट अंतर होगा |

योजना के अंतर्गत, अखिल भारतीस संगठनों से सीधे प्रस्ताव प्राप्त किये जाते हैं तथा राज्य स्तरीय संगठनों से संबंधित राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र के जरिए प्रस्ताव प्राप्त किए जाते हैं जो एक पदनामित राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा विधिवत रुप से सत्यापित होते हैं जिसे उनकी प्राथमिकता को दर्शाते हुए मंत्रालय को अभिशंसित करने के पहले इस प्रयोजन के लिए गठित किया जाता है |

योजना परियोजना पद्धति में परियोजना कार्यान्वयन के एजेंसियों (पीआइए) के जरिए कार्यान्वित की जा रही हैं | पीआइए योजना के अंतर्गत एक अथवा अधिक कार्यक्रम क्षेत्र अथवा घटकों को शामिल करते हुए परियोजना प्रस्ताव प्रसतुत कर सकती है | परन्तु विचार के लिए परियोजना का मुख्य कारक विगत अनुभव तथा संसाधन (अवसंरचना तथा तकनीकी मानव शक्ति) होगा जो पीआइए के पास उपलब्ध है |

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक विधिवत रुप से गठित परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) प्रस्ताव पर विचार करती है | इसके बाद पीएसी सिफारिशें मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए रखी जाती हैं |

वर्ष 2008 के दौरान एनपीवाइएडी योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत जारी की गई धनराशि के ब्यौरे को दर्शाने वाला एक राज्यवार विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है |

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में गतिविधियां और उपलब्धियां

1-1-2008 से 31-12-2008 तक, मंत्रालय के युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की छत्र योजना के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए 6.81 लाख रु0 की राशि दी गई थी |

इनमें से प्रथम किस्त 34.40 लाख रु0 पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को पहले ही जारी कर दिए गए हैं |

किशोर स्वास्थ्य तथा विकास परियोजना को सहायता

मंत्रालय तथा संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए) स्कूलों से वंचित किशोरों के स्वस्थ तथा सुरक्षित विकास प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के समग्र लक्ष्य के लिए किशोरों के स्वास्थ्य व विकास को सहायता देने के लिए सहयोग कर रहा है | राष्ट्रीय युवा नीति के केन्द्र में "युवाओं को पयासज्ञान, हुनर व क्षमता सुसज्जित करने की आवश्यकता को रखा गया है | सहभागी जो किशोर परियोजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल रहे हैं, छठे देश के कार्यक्रम सीपी 6 (2003-07) के भाग के रुप में नेहरु युवा केन्द्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान है, यूएनएफपीए ने राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान के माध्यम से तथा संसाधन व प्रलेखन केन्द्र के रुप में राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान को सुदृढ़ करके, तकनीकी मार्गनिर्देशन के लिए किशोर प्रकोष्ठ स्थापित करके नेहरु युवा केन्द्र संगठन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की क्षमता निर्माण के लिए सहायता उपलब्ध कराती है | राष्ट्रीय कार्यक्रम सीपी 7 (2008-12) के तहत, यूएनएफपीए प्रक्रिया प्रशोधन के साथ जो कि पिछले राष्ट्रीय कार्यक्रम सीपी 7 में प्रारंभ की गई थी, कुछ गतिविधय्यों के लिए सहायता देना तथा नई प्रमुख गतिविधियों के लिए जो सरकार से वितीय सहायता प्राप्त करने के लिए संभाव्य हैं, सहायता देना जारी रखेगा | कार्यक्रम के तहत अनुमानित वार्षिक बजट 6,00,000 अमरीकी डाल होगा | कार्यक्रम का प्रसार स्कूलों में पढ़ने वाले किशोरों तक होगा तथा देशभर में 31 राज्यों के 63 जिलों में ग्रामीण स्तर पर किशोर क्लबों के संचालन के लिए दी जा रही सहायता को जारी रखा जाएगा | इन किशोर क्लबों से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके शिक्षकों, किशोरों के लिए सूचनाप्राप्त करने के साधन होंगे | राष्ट्रीय स्तर के संस्थाओं की क्षमता निर्माण जैसे कि नेहरु युवा केन्द्र संगठन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल यूएनएफसीए बल्कि सरकारी तथा अन्य सहभागियों द्वारा भभ् सहायता प्राप्त कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए इन्हें सक्षम बनाने के उद्देश्य से सहायता देने के अन्य क्षेत्र होंगे | राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारियों की क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए सहायता दी जाएगी | नवीन गतिविधियों जैसे कि युवाओं के कार्यक्रमों को तैयार करने तथा उन्हें प्रस्तावित करने के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान को सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव है | कैलेण्डर वर्ष 2008 में नेहरु युवा केन्द्र संगठन को 1,80,92,000 रु0 तथा राजीव गांधी युवा विकास संस्थान को 72,92,600 रु0 की राशि दी गई थी |

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भूमि, समुद्र तथा वायु में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार है | प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्ता को 3,00,000 रु0 का नकद पुरस्कार, एक प्रतिमा और एक सम्मान स्क्रोल प्रदान किया जाता है | यह पुरस्कार खेलों में उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समक्ष है |

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस का अंतिम चयन माननीय युवा कार्य और खेल मंत्री की अध्यक्षता में गठित एक केन्द्रीय चयन समिति द्वारा राज्य सरकारों/केन्द्र शासित प्रशासनों, भारतीय पर्वतारोहण प्रतिष्ठान, भारतीय एरो क्लब की सिफारिशों की समीक्षा के आधार पर किया जाता है | केन्द्रीय चयन समिति ऐसे किसी भी उम्मीदवार पर जिसकी सिफारिश पुरस्कार के लिए स्कीनिंग समिति ने नहीं की हो, गुणदोष के आधार पर अपने विवेक से विचार कर सकती है | समिति पर्याप्त विचार-विमर्श के पश्चात पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का निष्पक्ष चयन करती है |

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार, 2007 भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में प्रत्येक वर्ष 19 अगस्त को आयोजित किए जाने वाले समारोहों में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किये जाते हैं | वर्ष 2008 के लिए कैप्टन एम0एस कोहली, वीएसएम, एफआरजीएस जीवनपर्यंत उपलब्धि, नायक सूबेदार महेन्द्र सिंह, शौर्य चक्रम (भूमि साहस), सूबेदार नीलचन्द शौर्यचक्र (भूमि साहस) तथा एएल कमाण्डर टीके रथ, (वायु साहस), श्रीमती प्रतिभा पाटिल, भारत के राष्ट्रपति द्वारा 29-8-2008 को राष्ट्रपति भवन में प्रदान किये |

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रत्येक वर्ष उन युवाओं को प्रदान किए जाते हैं जिन्होंने विकासपरक गतिविधियों और समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है । चयनित युवाओ से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नेतृत्व के गुणों का विकास करेंगे तथा युवा विकास के क्षेत्र में स्वैच्छिक गतिविधियों को सफलता पूर्वक पूरा करने के कार्य में इन्हें उपयोग में लाएंगे | राष्ट्रीय युवा पुरस्कार में एक व्यक्ति को 20,000/- रूपये और संगठन को 1,00,000/- रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है । सामान्यतः राष्ट्रीय युवा पुरस्कार के लिए 25 व्यक्तियों और 1 स्वयंसेवी संगठन का

चयन सामाजिक विकास कार्य में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कारों हेतु मान्यता प्रदान करते हुए सामान्य रुप से चयनित किया गया है ।

चेन्नै, तमिलनाडु में 12 से 16 जनवरी, 2008 तक आयोजित किए गए राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 20 व्यक्तियों और 2 स्वयंसेवी संगठन को वर्ष 2006-07 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किये गये थे । वर्ष 2006-07 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्तकार्ताओं की सूची अनुबंध-II पर दी गई है ।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव

राष्ट्रीय युवा महोत्सव स्वामी विवेकानंद की वर्षगांठ को मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष किसी चुने हुए राज्य में **12-16** जनवरी तक बड़े स्तर पर मनाया जाता है । राष्ट्रीय युवा दिवस **12** जनवरी को देश के युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर ध्यान देने के लिए मनाया जाता है और इस दिन **25** युवाओं और एक युवा संगठन को जिन्होंने समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य किया हो, को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए ज़ाते हैं । उत्सव के दौरान देश भर से आए विभिन्न संस्कृति और धर्म के युवा एक मंच पर इक्टठे होकर " अनेकता में एकता " दर्शाते हैं । उत्सव में प्रतियोगी और गैर प्रतियोगी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहसिक प्रदर्शन, युवा कीर्ति, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन और सुविचार आयोजित किए जाते हैं ताकि प्रत्येक युवा अपनी कुशलता और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके ।

इस वर्ष, 13वाँ युवा महोत्सव **12** से **16** जनवरी, **2008** चेन्नै, तमिलनाडु में आयोजित किया गया था विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के बहुत से युवा दलों ने विभिन्न प्रतियोगितात्मक गतिविधियों में भाग लिया । युवा महोत्सव के उदघाटन समारोह की अध्यक्षता तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने की तथा समापन समारोह की अध्यक्षता तमिलनाडु के राज्यपाल ने की ।

राष्ट्रीय युवा सम्मेलन एवं सुविचार

प्रति वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय युवा उत्सव के एक भाग के रुप में तीन दिन का राष्ट्रीय युवा सम्मेलन तथा सुविचार आयोजित करता है | इन कार्यक्रमों में युवाओं के साथ मेल-मिलाप करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से प्रसिद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता है | सुविचार के भाग के रुप में, प्रसिद्ध वक्ता, सुविचार के दौरान अपने भाषण देते हैं तथा अपने जीवन के अनुभवों को बांटते हैं | जिसके बाद एक अंतर सक्रिय सत्र होता है जिसमें एक हजार से अधिक सहभागी युवा तथा अधिकारी भाग लेते हैं | जिसमें स्थानीय स्वयंसेवक भी शामिल हैं |

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के रुप में एक विशेष उद्देश्य पर आयोजित किया जाता है | प्रसिद्ध अन्त:सक्रिय सत्र होता है | चयनित स्वयंसेवक तथा आइजीएनएसएस प्राप्तकर्ता इस सम्मेलन में भाग लेते हैं |

स्काउटिंग एवं गाइडिंग

स्काउटिंग एवं गाइडिंग योजना एक केन्द्रीय योजना है जिसकी शुरुआत 1980 के प्रारंभ में की गई थी और जिसका उद्देश्य देश में स्काउट और गाइड आंदोलन को बढ़ाना था | यह एक अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र, विश्वास, आदर्शवाद तथा देश भक्ति की भावना का निर्माण करना है | इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग युवा लोगों के बीच संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास के संवर्धन की भी मांग करती है |

2 योजना के अंतर्गत, विभिन्न गतिविधियों के लिए भारत स्काउट और गाइड वितीय सहायता प्रदान की जाती है | जैसे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा जमूरी का आयोजन आदि | इन गतिविधियों में अन्य बातों के साथ-साथ प्रौढ़ शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरुकता तथा स्वच्छता और सफाई से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं |

3 भारत स्काउट्स और गाइड देश में सबसे बड़ा स्वैच्छिक गैर-राजनीतिक, शैक्षणिक आंदोलन है जो बिना किसी उदभव जाति तथा पंथ के भेदभाव सभी के लिए खुला है जो कि 1907 में लोड बाडल

पावेल, संस्थापक द्वारा अपनाये गये प्रयोजन सिद्धांतों और पद्धतियों के अनुरुप है | भारत स्काउट और गाइड संगठन के पास विभिन्न शाखाओं का एक नेटवर्क है जो भारत में सभी राज्यों को कवर करता है | प्रादेशिक राज्यों के अलावा (अर्थात भारतीय संघ के राज्य और संघ शासित क्षेत्र) तीन कार्यात्मक इकाई है जैसे-केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति तथा भारतीय रेलवे,

4 स्काउट्स आंदोलन ने अपने भविष्य की दिशा को मार्गदर्शन देने के लिए एक सामान्य समिति अपनायी है और स्काउटिंग की जरुरतों का प्रत्युतर दिया है | भारत स्काउट्स और गाइड फिलहाल निम्नलिखित सामरिक प्राथमिकताओं पर कार्य कर रहा है नामत: (1) युवाओं को शामिल करना (2) किशोर लड़कियां और लड़के, महिलाएं तथा पुरुष (3) बाहर पहुंच (4) स्काउटिंग में स्वयंसेवक (5) स्काउटिंग की प्रोफाइल

वर्ष के दौरान भारत स्काउट तथा गाइड द्वारा आयोजित कुछ गतिविधियां निम्नलिखित थीं:-

(क) पर्यावरण आधारित-राष्ट्रीय ट्रैकिंग एवं पर्यावरण तथा प्रकृति अध्ययन कार्यक्रम
(ख) राष्ट्रीय ग्रीन कोर परियोजनाएं
(ग) साहस संबंधी गतिविधियां
(घ) राष्ट्रीय एकीकरण, सामुदायिक सौहार्द तथा शांति
(ङ) सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम
(च) व्यवसायिक तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए कौशल उन्नयन
(छ) युवा सम्मेलन, सभाएं तथा जम्बूरी
(ज) सामुदायिक विकास कार्यक्रम जैस

(i) रक्तदान शिविर
(ii) सुरक्षित पेयजल के लिए अभियान
(iii) दहेज प्रथा के विरुद्ध अभियान
(iv) एल्कोहल, मादक प्रदार्थों तथा नशीली दवाओं के विरुद्ध अभियान
(v) कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम
(vi) एड्स जागरुकता अभियान
(vii) लघु बजत अभियान
(viii) सफाई तथा स्वच्छता कार्यक्रम
(ix) पल्स पोलियो प्रतिरक्षण
(x) बाल देखभाल तथा स्वास्थ्य कार्यक्रम
(xi) हरियाली का संरक्षण
(xii) सड़क सुरक्षा के लिए आंदोलन

(xiii) राष्ट्रीय एकीकरण तथा संबंधित गतिविधियों के लिए अभियान

(xiv) किशोर स्वास्थ्य तथा विकास परियोजना

5 गत दो वर्षों के दौरान स्काउटिंग और गाइडिंग के संवर्धन के अंतर्गत बजट आबंटन/संशोधित आबंटन और वास्तविक व्यय निम्नानुसार है:-

वर्ष	बजट आबंटन योजना	संशोधित आबंटन योजना	वास्तविक व्यय
2007-08	200.00	200.00	1,57,58,80.00
2008-09	300.00	173.00	1,73,00,000.00

6 11 वीं योजना प्रलेख के अनुसार, योजना अवधि के लिए 15 करोड़ रु0 की राशि चिह्नित की गयी है ।

युवा छात्रावास की योजना

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में देश में ही यात्रा को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है । युवा छात्रावासों का निर्माण केन्द्र और राज्य सरकारों के संयुक्त उद्यम के रुप में माना गया है । केन्द्र सरकार निर्माण की लागत वहन करती है जबकि राज्य सरकार पानी, बिजली, पहुंच मार्गों और स्टाफ क्वार्टरों सहित पूर्ण रुप से विकसित भूमि निशुल्क उपलब्ध कराती है । केन्द्रीय नीति समिति द्वारा योजना की समीक्षा की जाती है और चल रहे युवा छात्रावासों के निर्माण को पूरा करने के लिए तीव्र गति की कार्यप्रणाली की शुरुआत की जाती है | इस वर्ष तीन छात्रावासों नामतः विजयनगरम (आंध्र प्रदेश) ऊंटी (तमिलनाडु) बद्रीनाथ (उत्तराखण्ड) पूरा हो गया है | पंजाब के तरनतारन में अत्यधिक आधुनिक युवा छात्रावास का निर्माण आरंभ हो गया है |

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी निकाय जिसकी स्थापना युवा संबंधी गतिविधियों के क्षेत्र में उच्च अध्ययन और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए मार्च, 1993 में की गई थी । पहली बार पूरी ताकत से कार्य करना आरंभ किया है और वर्तमान में 5 खण्ड और 3 प्रकोष्ठ नामत: -

(i) पंचायत राज संस्थान और कार्य
(ii) सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता
(iii) प्रशिक्षण अभिविन्यास विस्तार
(iv) अनुसंधान मूल्यांकन और प्रलेखन
(v) युवा विकास में उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
(vi) लिंग विकास पर प्रकोष्ठ
(vii) किशोर स्वास्थ्य और विकास पर प्रकोष्ठ
(viii) एच आई वी/एड्स पर प्रकोष्ठ

युवा विकास के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन केन्द्र के रुप में कार्य करने को ध्यान में रखते हुए, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के खण्ड-3 के अंतर्गत समकक्ष विश्वविद्यालय की मंजूरी दी गई है ।

3 युवा विकास के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन केन्द्र के रुप में कार्य करने की दृष्टि से राजीव गांधी विकास संस्थान ने इंदिरा गांधभ् राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया था । नियमित कार्यक्रम के माध्यम से स्नातकोत्तर शैक्षणिक कार्यक्रम आरंभ किया गया है । शैक्षणिक कार्यक्रम कला में स्नातकोत्तर (1) युवा सशक्तिकरण (2) कैरियर कांउसिलिंग (3) लिंग अध्ययन (4) स्थानीय शासन (5) जीवन कौशल शिक्षा

4 संस्थान की कार्यसूची में देश में युवाओं की स्थिति के निर्धारण को सुनिश्चित करने के लिए युवा विकास तालिका का निर्माण करना, राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के बीच मिलान को सुसाध्य बनाना और अंतराल की पहचान करना भी है जहां नीति अंतराल की आवश्यकता होती है । यह परियोजना युवा विकास सूची के निर्माण के क्रम में शामिल मुद्दों की जटिलता की दृष्टि से सामाजिक विज्ञान संस्थान टाटा के सहयोग से आरंभ किया गया है । अत:, वर्ष के दौरान, राजीव गांधी राष्ट्रीय विकास संस्थान तथा सामाजिक विज्ञान संस्थान टाटा के बीच,

हस्ताक्षर हुआ था, मुंबई ने युवा विकास सूची-भारत के निर्माण पर एक वर्षीय सहयोगी परियोजना आरंभ की गई है |

5 संस्थान का मुख्य अधिदेश को 2 प्रशिक्षण सामग्री को बनाना, विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट निवेश को लागू करने के लिए प्रशिक्षण मैनुअल और विशेष मोड्यूल जो देश के किसी भी भाग में लागू हो | संस्थान मोडयूल की तैयारी करने के लिए विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञों के परामर्श के जरिए इसे किया जाता है जो स्वामित्वधारियों के बीच माडयूल के प्राथमिकता परीक्षण के पश्चात संशोधित किया जाता है |

6 वर्ष के दौरान, संस्थान कई माडयूल/मैनुअलों पर जैसे सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता, अध्यापकों के लिए कैरियर मार्गनिर्देशन, किशोरों के लिए जीवन-कौशल, लिंग समानता और युवा, माडल युवा क्लब, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जीवन के रुप में जनजातीय युवा, नागरिक अधिकार और सामाजिक सौहार्द में युवा प्रशिक्षण, सीमा के जिलों में युवा और एन0एस0एस0 मैनुअल प्रशिक्षण को तैयार किया गया है और लाया गया है |

7 पूर्वोत्तर राज्य के युवाओं को सुअवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के युवाओं को देखने और अन्योन्यक्रिया के जरिए, युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों के दो तरीकों को अर्थात भारत के अन्य भागों के लिए उत्तर-पूर्व से युवाओं के दौरे का प्रदर्शन करना तथा उत्तर-पूर्व के लिए भारत से युवाओं को दस दिन के गहन कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान प्रबंध करता है | उत्तर-पूर्व के युवाओं के लिए यह कार्यक्रम प्रत्येक माह नियमित आधार पर किया जाता है | इस कार्यक्रम के अंतर्गत तथा देश के अन्य भागों से विमोमत: देश के विभिन्न भागों में युवाओं की संस्कृति तथा जीवनशैली का अनुभव किया जाता है | उत्तर-पूर्व क्षेत्र के आठ राज्यों से 755 से जयादा युवाओं ने दस ऐसे कार्यक्रमों में राज्यों/संघ शासित प्रदेशों जैसे राजस्थान केरल, अण्डमान और निकाबोर, कर्नाटक, तमिलनाडु आंध्र प्रदेश गोवा तथा महाराष्ट्र के दौरे में भाग लिया |

8 वर्ष के दौरान पंचायती राज अभियान में युवा पंचायती राज सदस्यों के अनुभवों से सुविधाएं दे रहे हैं | लक्षद्वीप से पंचायती राज सदसुोें के लिए प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन यात्रा भी आयोजित की गई थी | सात दिनों के लिए तमिलनाडु के 50 युवा पंचायती राज सरपंचों के लिए लेखा परीक्षा, ग्राम आअयोजना तथा सामाजिक मैपिंग से परिचित कराया गया |

9 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जनवरी, 2007 में "युवा नीतियां तथा कार्यक्रम" तथा अगस्त 2007 में "युवाओं के जोखिम" पर एशियाई क्षेत्रीय परामर्श पर एशियाई क्षेत्रीय परामर्श का आयोजन करके राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम, चंडीगढ़ के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थान ने निरंतर कार्य किया जिसमें बांग्लादेश, ब्रूनई, दारुसलम, भारत, मलेशिया, मालदीव, पाकिस्तान, सिंगापुर और श्रीलंका ने भाग लिया | संस्थान ने औद्योगिक तथा संस्थागत यात्राओं, ग्राम प्रदर्शनों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अगस्त 2007 में 10 सदस्यीय कोरियाई शिष्टमंडल की चैन्नै यात्रा व नवम्बर 2007 में 100 सदस्यी चीनी शिष्टमंडल की हैदराबाद यात्रा का समन्वयन किया | संस्थान ने अन्य संस्थाओं जैसे कि एमएस स्वामीनाथन अनुसंधान प्रतिष्ठान चेन्नै, दक्षिण चित्र- दक्षिण भारत सांस्कृतिक सौजन्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा फरवरी, 2008 में 253, सदस्यीय 20 शिप वर्ल्ड यूथ प्रोग्राम डेलीगेशन के लिए चेन्नै यात्रा का भी समन्वय किया | युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय युवा महोत्सव की तर्ज पर जनवरी, 2008 में द्वितीय सार्क युवा शिविर

2008 का भी आयोजन किया गया | इस शिविर में सार्क देशों के साठ प्रतिनिधि मंडलों ने भाग लिया जिसमें शैक्षिक सत्र व युवा महोत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियां भी थी | सार्क युवा शिविर का परिणाम यह रहा कि सार्क क्षेत्र में युवाओं की साझी समस्याओं पर विचार किया गया तथा इस मुद्दे को सुलझाने के लिए रणनीति बनाइ गई |

10 संस्थान केवल युवाओं के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों पर ही जोर नहीं देता अपित किशोरों पर भी जोर देता है जो कुल जनसंख्या का 22 प्रतिशत है | आरजीएनआइवाइजी ने अपने परिसर में एक किशोर स्वास्थ्य तथा विकास परियोजना का प्रारंभ किया जो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि द्वारा समर्थित था | इस परियोजना ने सामर्थ्य निर्माण गतिविधियों, संस्थागत मजबूती, सामुदायिक हस्तक्षेप कार्यक्रम, किशोर बेबसाइट सृजन, केरियर वेबसाइट, कैरियर मार्गदर्शन प्रदर्शनी के आयोजन, जीवन कौशल, प्रशिक्षण का प्रारंभ करके अपना कार्य शुरु किया | वेलोर तथा कांचीपुरम जिलों के सभी ब्लाकों में कैरियर मेले आयोजित किए गए जिसमें उच्च तथा उच्चतर माध्यमिक सरकारी और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों के 79041 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया और उपलब्ध कैरियर के व्यापक क्षितिज का प्रदर्शन किया | समूचे देश के 63 जिलों में जिला परियोजना अधिकारियों, किशोर पीयर स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे | एन0एस0एस0 के प्रमुख अधिकारियों के लिए किशोर क्विज कार्यक्रम का दूसरा चरण, जो यूएनएफपीए द्वारा समर्थित था, 19 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के 350 जिलों में वर्ष के दौरान पूरा हुआ | संस्थान ने किशोर स्वास्थ्य तथा विकास के लिए गैर-सरकारी संगठनों के नेटवर्क पर एक कार्यशाला का आयोजन किया | केन्द्र की गतिविधय्यों के अन्य मुख्य आकर्षणों में किशोरों के लिए इलांथा लिट, आरजीएनआइवाइडी के सामुदायिक रेडियों सेशन की स्थापना है जिसका अर्धव्यास 20 किमी है और यह श्री पेरम्बुदूर के आसपास के 300 स्कूलों को कवर करता है | यह स्थानीय क्षेत्र के ग्रामीण किशोरों की शैक्षणिक तथा मनोरंजन संबंधी जरुरतों को पूरा करता है और उसके द्वारा सामुदायिक शिक्षा को बढ़ावा देता है | इस स्टेशन से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम केवल किशोरों द्वारा ही लिखे जा रहे हैं, निर्देशित किय जा रहे हैं तथा प्रस्तुत किये जा रहे हैं | श्री पेरम्बुदूर ब्लाक में आरजीएनआइवाइडी द्वारा बनाये गये टोन्स क्लब ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का स्वामित्य ले लिया है और कार्यक्रम प्रस्तुत करना प्रारं कर दिया है |

11 कुछ मुद्दे जो कि स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालय के सामान्य पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है पर देश के युवाओं को जानकारी देना, देश के युवाओं की समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु संस्थान के सीधे कार्यक्रमों का एक पहुंच है | "युवाओं का अपूर्ण एजेंडा" नामक कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्थानीय शासन, पर्यावरण, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता, जैसे मुद्दे और जीवन कौशल पर इनपुट प्रदान करना है |

12 अनुसंधान एवं मूल्यांकन अध्ययन संस्थान के एजेंडा का प्रमुख भाग है | वर्ष के दौरान पाँच अध्ययन आरंभ और पूर्ण किए गए संस्थान की परियोजना "नई सदी में युवा-चुनौती और अवसर जिसमें देश के युवाओं की शैक्षणिक, रोजगार, स्वास्थ्य, जेंडर समानता और स्थिति को दर्शाया गया है, पूर्ण किया गया तथा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें जल्द प्रकाशित किया जाएगा |

13 राष्ट्रीय युवा नीति के अनुदान राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्था युवा विकास के मुद्दों पर सूचना एवं अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र होगा | संस्थान ने युवा एवं किशोरों की सूचना के लिए

एक वेबसाइट भी विकसित की है | ये वेबसाइट है: www.youthportal.gov.in, www.rgniyd-ahdp.gov.in and www.rgniyd-career.gov.in

14 पिछले तीन वर्षों के दौरान बजट एवं व्यय का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

(लाख रु0)

वर्ष	बजट			व्यय		
	योजनागत	योजनेतर	कुल	योजनागत	योजनेतर	कुल
2005-06	400.00	65.00	465.00	400.00	65.00	465.00
2006-07	336.00	65.00	401.00	336.00	65.00	401.00
2007-08	80.00	65.00	865.00	800.00	65.00	865.00
2008-09	900.00	65.00	965.00*	8000.00	65.00	865.00*

* संशोधित अनुमान 2008-09 में योजनागत के अंतर्गत 800 लाख रु0 और योजनेतर में 100.00 लाख रु0 का प्रावधान रखा गया है |

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं का आदान-प्रदान

युवा शिष्टमंडल का अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान विभिन्न देशों के बीच विचारों के आदान-प्रदान तथा बेहतर समझ को विकसित करने और अन्य देशों से संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी साधन है | इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न संकायों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से युवाओं का शिष्टमंडल, विशिष्ट खिलाड़ियों तथा मंत्रालयों, नेहरु युवा केन्द्र संगठन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारियों का युवा विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों, सेमिनारों तथा सम्मेलनों में सहभागिता के लिए विदेशों से आदान-प्रदान किया जाता है | भारत कई देशों से कार्यक्रमों/संयुक्त आयोगों का सांस्कृतिक आदान-प्रदान करता है और ऐसे कई द्विभाषी नयाचारों को बढ़ा रहा है | इस समय,हम जन गणराज्य ची, जन गणराज्य कोरिया और अरब राज्य के साथ नियमित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम कर रहे हैं | इसके अलावा, हम जापान सरकार द्वारा आयोजित विश्व युवा कार्यक्रम के लिए युवा सहभागियों को भी भेज रहा है | इस मंत्रालय ने युवा नेतृत्व के जापानी अंतराष्टीय सहयोग एजेंसी वित्त पोषित कार्यक्रमों के अंतर्गत जापान में चल रहे प्रशिक्षण के लिए केन्द्र सरकार के अधिकारियों/युवा नेताओं/राज्य सरकार के अधिकारियों/एन0एस0एस0 एवं नेहरु युवा केन्द्र संगठन के स्वयंसेवकों और अधिकारियों को भी नामांकित किया है | इस कार्यक्रमों के अलावा, विदेश

मंत्रालय के सूचनानुसार कार्यक्रम के लाजवाब होने के लिए युवाओं और अधिकारियों को भी नामांकित किया जाता है |

उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए युवा सहभागियों के नामांकन की प्रक्रिया एक लंबी प्रक्रिया है क्योंकि चीन के लिए लगभग 100 सहभागियों को भेजा जा रहा है | हम सभी भारतीय विश्वविद्यालयों, विशिष्ट विश्वविद्यालयों, आई आई टी जैसे स्वायत्तशासी संस्थानों और आई आई एम, एन0एस0एस0, नेहरु युवा केन्द्र संगठन, खिलाड़ियों के लिए खेल परिसंघ, सांस्कृतिक मंत्रालय के माध्यम से सांस्कृतिक कलाकारों, जन गणराज्य चीन सरकार ने प्रति वर्ष शिष्टमंडल की संख्या को दुगुना करने के लिए अनुरोध किया है जो सक्रिय रुप से विचाराधीन है | डीपीआर कोरिया ने भी इस वर्ष युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत शिष्टमंडलों की संख्या को दुगुना करने के लिए अनुरोध किया है |

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान आई सी प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न गतिविधियों के ब्यौरे निम्नानुसार आरंभ किये गये हैं:-

क्र0सं0	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1	चीन के लिए 10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल	29 जून, से 8 जुलाई, 2008 तक
2	10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का सिंगापुर दौरा	29 जुलाई 1 अगस्त, 2008 तक
3	10 सदस्यीय कोरिया युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा	22 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 2008 तक
4	10 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का कोरिया गणराज्य का दौरा	16 से 25 अक्तूबर, 2008 तक
5	100 सदस्यीय चीन युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा	11 से 20 नवम्बर, 2008 तक
6	पेरिस, फ्रांस में राष्ट्रीय युवा सेवा पर 8वां सार्वभौमिक सम्मेलन	19 से 22 नवम्बर, 2008 तक
7	जापान सरकार, जापान अंतर्राष्ट्रीय समन्वय एजेंसी द्वारा युवा नेतृत्व, 2008 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया	26 नवम्बर से 13 दिसम्बर, 2008 तक (18 दिन)

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) राष्ट्रमंडल देशों में युवा पुरूषों और महिलाओं के कल्याण और विकास के संवर्धन हेतु 1974 में राष्ट्रमंडल सरकारों द्वारा स्थापित किया गया था । इसका उद्देश्य निम्नलिखित है :-

(क) समाज में युवा पुरूषों और महिलाओं की अधिकारिता के लिए कार्य करना ।

(ख) उनके समाज के उत्पादनकारी तथा गतिशील सदस्यों के रूप में उनकी शक्ति, सृजनशीलता और कौशल को विकसित करना ;

(ग) व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों रूप से निर्णय लेने, विकास के प्रत्येक स्तर पर पूर्ण रूप से भाग लेना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र तथा मानवाधिकार के राष्ट्रमंडल मूल्यों का सफल संवर्धन करना ।

2. सीवाईपी की दृष्टि इसके मिशन में समाहित है जिसका उद्देश्य है :-

(क) नीतियों तथा विकास कार्यक्रमों के निर्माण में सदस्य सरकारों के प्रयासों का समर्थन करना जो युवा महिलाओं और पुरूषों की चिंताओं और मुद्दों को प्रभावी ढंग से सुलझाते हैं ;

(ख) युवा महिलाओं और पुरूषों दोनों की सक्रिय सहभागिता पर आधारित नीति और कार्यक्रम विकास का समर्थन करने के लिए युवा मंत्रालयों और स्वतंत्र युवा नेटवर्क के स्थापित करने और मजबूत बनाने में सफल सरकारों की सहायता करना ;

(ग) गैर सरकारी संगठनों के प्रयासों का समर्थन करना तथा युवा विकास से संबंधित गतिविधियों के संवर्धन में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करना ;

(घ) युवा महिलाओं को सक्षम बनाना ताकि ये अपने देशों में तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर योजना बनाने और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से भाग ले सकें ।

(ड) अपने देशों के सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए युवा महिलाओं और पुरूषों द्वारा प्रोत्साहनों को समर्थन और मान्यता प्रदान करना ;

(च) अंतरराष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रमंडल की भूमिका के बारे में युवा लोगों के बीच अधिक जागरूकता का संवर्धन ;

3. सीवाईपी एशिया केन्द्र अफ्रीका क्षेत्र के लिए लुसाका (जाम्बिया), कैरीबीयन क्षेत्र के लिए जार्जटाउन (गुयाना) में तथा दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के लिए सोलोमन द्वीप समूह में स्थित केन्द्रों के साथ चार सीवाईपी संस्थापनाओं में से एक है । सीवाईपी की समग्र जिम्मेदारी लंदन में राष्ट्रमंडल सचिवालय की है । एशिया

केन्द्र सहित सीवाईपी की गतिविधियां राष्ट्रमंडल सचिवालय की युवा कार्य इकाई द्वारा निर्देशित होती है । एशिया केन्द्र क्षेत्र के आठ राष्ट्रमंडल देशों नामतः ब्रुनेई दारस्सलाम, बंगलादेश, भारत, मलेशिया, मालदीव, पाकिस्तान, सिंगापुर व श्रीलंका की विशेष जरूरतों को पूरा करता है ।

4. फिलहाल, तीन प्रमुख सामरिक क्षेत्र हैं जिन पर राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम ध्यान केन्द्रित कर रहा है :-

(क) राष्ट्रीय युवा नीति ;

(ख) मानव संसाधन विकास , और

(ग) युवा सशक्तिकरण ।

5. कार्यक्रमों को सदस्य देशों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है । 2007-08 के दौरान सीवाईपी में भारत का योगदान 99495 पौंड स्टर्लिंग अर्थात 85.83 लाख रू0 (लगभग) था । एशिया क्षेत्र के केन्द्र के मेजबान देश के अलावा, भारत ने चंडीगढ में केन्द्र को एक भवन तथा मूलभूत अवस्थापना सेवाएं उपलब्ध कराई हैं ।

6. वर्ष 2008 के दौरान सीवाईपी के सहायेग से निम्नलिखित कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित किए गए थे:-

क्र0 सं0	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1	माले, मानदीव में होने वाले राष्ट्रमंडल दिवस समारोह	9-12 मार्च, 2008
2	"युवा तथा जलवायु परियर्तन" पर सिंगापुर में होने वाली एशिया क्षेत्रीय कार्यशाला	24-28 मार्च, 2008
3	लंदन में स्वामित्वधारियों की बैठक	3 अप्रैल, 2008
4	राष्ट्रमंडल युवा मंत्रियों की बैठक, श्रीलंका	26-30 अप्रैल, 2008
5	मालदीव में नशीली दवाईयों/पदार्थों के प्रयोग में जोखिम पर युवाओं के लिए एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	7-11 मई, 2008
6	युवा तथा स्वशासन पर राष्ट्रमंडल एशिया क्षेत्रीय कार्यशाला, चंडीगढ़	मई, 2008 का अंतिम सप्ताह

7	सीवाईपी एशिया केन्द्र, चंडीगढ़ में सम्मान तथा समझ के संवर्धन में युवाओं की भूमिका पर क्षेत्रीय कार्यशाला ।	11-14 अगस्त, 2008
8	देहरादून, उत्तराखंड में "सतत जीविका के लिए जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में युवाओं की भूमिका" पर एशिया क्षेत्रीय केन्द्र कार्यशाला ।	13-18 अक्टूबर, 2008
9	नोएडा में युवा उद्यमशीलता पर क्षेत्रीय समर्थन निर्माण कार्यशाला	10-15 नवम्बर, 2008

खेल विभाग

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय टीमों की मुख्य खेल उपलब्धियां

बीजिंग औलंपिक, 2008

भारत ने बीजिंग औलंपिक 2008 में व्यक्तिगत औलंपिक स्वर्ण पदक जीता । श्री अभिनव बिन्द्रा ने 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक लेकर इतिहास रचा ।

श्री बीजेन्द्र कुमार तथा श्री सुशील कुमार ने क्रमशः मुक्केबाजी व कुश्ती में कांस्य पदक जीते । इसके अतिरिक्त बीजिंग औलंपिक में पदक तालिका में भारत का प्रदर्शन पिछले औलंपिक खेलों से बेहतर था । 8 से 24 अगस्त, 2008 तक आयोजित किए गए खेलों में कुल 56 एथलीटों ने भाग लिया । जिन एथलीटों ने बीजिंग में प्रशंसनीय प्रदर्शन किया, उनके साथ पदक विजेताओं की सूची नीचे दी गई है :

1. श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज ने 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी में प्रथम व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता ।
2. श्री बीजेन्द्र कुमार, मुक्केबाज ने 75 किग्रा भार वर्ग में प्रथम व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता ।
3. श्री सुशील पहलवान ने 66 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी में प्रथम व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता ।

4. सुश्री सायना नेहवाल, बैडमिंटन खिलाड़ी ने औलंपिक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए प्रथम भारतीय महिला शटलर बनने हेतु शानदार प्रदर्शन किया ।

5. अखिल कुमार, मुक्केबाज, 54 किग्रा, क्वार्टर फाइनल में हार गये ।

6. जीतेन्द्र कुमार, मुक्केबाज, 51 किग्रा, क्वार्टर फाइनल में हार गये ।

7. गगन नारंग, एयर राइफल निशानेबाज 600 अंक में से 595 अंक लेकर (अर्थात अभिनव से केवल एक अंक कम) 9 वें स्थान पर रहे ।

अन्य मुख्य उपलब्धियां

(i) 12-18 अक्टूबर, 2008 में पुणे भारत में आयोजित राष्ट्रमंडल युवा खेलों में 76 पदक लेकर (33 स्वर्ण + 26 रजत + 17 कांस्य) भारत पदक तालिका में प्रथम रहा ।

(ii) विश्वनाथन आनंद ने अक्टूबर, 2008 में बॉन में आयोजित विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में रूस के जी एम ब्लादिमीर क्रामनिक को हराकर अपना विश्व खिताब बनाए रखा ।

(iii) भारतीय जूनियर पुरूष हाकी ने 11 से 18 जुलाई, 2008 तक हैदराबाद में आयोजित छठे जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत जूनियर महिला टीम (21 वर्ष से कम) ने 14-25 दिसम्बर, 2008 में आयोजित 5 वें जूनियर एशिया कप में कांस्य पदक जीता तथा अगस्त, 2009 में अमरीका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया ।

(iv) भारतीय जूनियर फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल तथा महिला कुश्ती टीम ने अगस्त 2008 में तुर्की में आयोजित जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में दो कांस्य पदक, जुलाई 2008 में दोहा कतर में आयोजित जूनियर एशियाई चैम्पियनशिप में 1 स्वर्ण + 3 रजत + 7 कांस्य पदक तथा जुलाई, 2008 में ताशकंद, उजबेकिस्तान में आयोजित एशियाई कैडिट चैम्पियनशिप में 7 स्वर्ण + 2 रजत + 10 कांस्य पदक जीते ।

(v) भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम ने निंग्बो सिटी चीन में आयोजित विश्व महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण + 1 रजत + 2 कांस्य पदक तथा गुवाहाटी में आयोजित प्रतियोगिता में 3 स्वर्ण + 3 रजत पदक जीते ।

(vi) भारतीय दल ने अक्टूबर, 2008 में प्रथम एशियन बीच गेम्स, बाली इंडोनेशिया में बास्केटबाल (पुरूष), कबड्डी (पुरूष व महिला) में 3 स्वर्ण पदक तथा बास्केटबाल (महिला) और शरीर सौष्ठव में 2 कांस्य पदक जीते ।

(vii) सायना नेहवाल अक्टूबर 2008 में पुणे में आयोजित विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीतनेवाली प्रथम भारतीय बनी । जूनियर विश्व चैम्पियनशिप जीतनेवाली प्रथम भारतीय बनी । विश्व जूनियर विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में गुरू साई दत्त ने पुरूषों के एकल में कांस्य पदक तथा सुश्री सायना नेहवाल और श्री आदित्य प्रकाश ने मिक्सड टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता । सायना दिसम्बर, 2008 में मलेशिया में आयोजित वर्ल्ड फेडरेशन सुपर सीरीज मास्टर्स फाइनल्स के सेमी फाइनल में पहुंचनेवाली प्रथम भारतीय खिलाड़ी बनी ।

(viii) भारतीय जूनियर रोवर्स ने नवम्बर, 2008 में हांगकांग में आयोजित 14 वीं एशियाई जूनियर रोइंग चैम्पियनशिप में 2 स्वर्ण, 1 रजत तथा 1 कांस्य पदक जीता ।

(ix) भारतीय मुक्केबाजों अखिल, दिनेश, जीतेन्द्र तथा ए0एल0 लाकड़ा ने दिसम्बर, 2008 में मास्को, रूस में आयोजित एआईबीए विश्व कप में एक कांस्य पदक जीता ।

(x) भारतीय वुशु खिलाड़ियों ने दिसम्बर, 2008 में बाली में आयोजित दूसरे विश्व वुशु चैम्पियनशिप में 1 रजत तथा 3 कांस्य पदक जीते ।

(xi) भारतीय सीनियर (महिला) कबड्डी टीम ने सितम्बर, 2008 में मदुरै (तमिलनाडु) में आयोजित तीसरी एशियाई महिला कबड्डी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता ।

पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान (पीवाईकेकेए)

खेलों में जनसहभागिता के संवर्धन तथा प्रतिभा के आधार को व्यापक बनाने के उद्देश्य से 11वीं तथा 12वीं पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान देश के सभी गांवों तथा ब्लाक पंचायतों में मूलभूत खेल अवस्थापना के सृजन के लिए तथा ब्लाक, जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए पहली बार पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान नामक एक राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है । 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पीवाई केकेए के कार्यान्वयन के लिए 1500 करोड़ रू0 का प्रावधान किया गया है ।

दिसम्बर, 2008 तक 17 राज्यों में 13996 ग्राम पंचाचतों व 412 ब्लाक पंचायतों में खेल मैदानों की स्थापना के लिए पीवाईकेकेए की राष्ट्रीय स्तर की कार्यकारी समिति ने 156.68 करोड़ रू0 की धनराशि अनुमोदित की है । 156.68 करोड़ रू0 की अनुमोदित राशि में से 55 करोड़ की धनराशि राज्य सरकारों को पहले ही जारी की जा चुकी है ।

राष्ट्रमंडल खेल, 2010

नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल 2010 के सफल आयोजन के लिए तैयारी पूरे जोरों पर है । युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार तथा दिल्ली

विकास प्राधिकरण के परामर्श से खेलों के आयोजन से संबंधित सभी गतिविधियों की प्रगति की मानीटरिंग कर रहा है ताकि खेल शुरू होने से पहले उनके पूरा होने को सुनिश्चित किया जा सके ।

खेल अवस्थापना के उन्नयन/सृजन का कार्य, खेल गांव का निर्माण तथा नगर अवस्थापना और सिविक सुविधाओं का उन्नयन समयानुसार प्रगति पर है ।

सरकार ने 678 करोड़ रू0 की लागत वाली "राष्ट्रमंडल खेलों, 2010 के लिए भारतीय टीमों की तैयारी हेतु योजना" नामक एक योजना को अनुमोदित कर दिया है जिसका विशेष रूप से राष्ट्रमंडल खेल, 2010 में पदक तालिका में अधिक पदक प्राप्त करने के लिए भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी करने हेतु अभिकल्पित किया है । इस योजना के अंतर्गत 18 खेल विधाओं के पता लगाए गए विशिष्ट खिलाड़ियों (संभावित पदक विजेता) को भारत तथा विदेश में पूर्ण वैज्ञानिक तथा चिकित्सा सुविधाओं सहित व्यापक तथा गहन प्रशिक्षण और खेलने के अवसर प्रदान किए जाएंगे । चयनित एथलीटों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के विभिन्न केन्द्रों में कोचिंग/प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो चुके हैं ।

भारतीय खेल प्राधिकरण

भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना 1984 में स्वायत्तशासी निकाय के रूप में की गयी थी जिसका उद्देश्य खेलों की उत्कृष्टता का संवर्धन करना, देश में खेलों का संवर्धन करना तथा उन्हें विस्तृत आधार प्रदान करना, प्रतिभा की पहचान करना और उसका विकास करना था ।

इसे युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की और से दिल्ली के निम्नलिखित स्टेडियमों के रखरखाव और उपयोग की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है:-

1. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
2. इंदिरा गांधी स्टेडियम (इंडोर) और यमुना वैलोड्रोम
3. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम
4. डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी तरण ताल-परिसर
5. डा0 कर्णी सिंह शूटिंग रेंज

राष्ट्रमंडल खेल 2010 के आयोजन के लिए उपरोक्त स्टेडियम नवीकरण प्रक्रिया के अधीन है तथा इस वर्ष के दौरान कोई मुख्य गतिविधि आयोजित नहीं की गयी ।

1. <u>प्रशिक्षण शिविर</u> : वर्ष 2008-09 के दौरान "राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता" की योजना के अंतर्गत खेल- विधाओं में 178 प्रशिक्षण शिविर तथा "राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम की तैयारी" योजना के अंतर्गत 15 खेल विधाओं में 18 शिविर आयोजित किए गए थे ।

2 <u>विदेशी प्रशिक्षण</u> : 13 खेल विधाओं में भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण हेतु 27 विदेशी प्रशिक्षक लगाए गए थे ।

3. <u>प्रतिभा खोज तथा प्रशिक्षण से संबंधित योजना</u> : योजना के अंतर्गत अग्रिम प्रशिक्षण के लिए 27 खिलाड़ियों तथा 8 प्रशिक्षकों/सहायक कार्मिकों को सहायता प्रदान की गई ।

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (ग्वालियर)

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर जिसे पहले लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के रूप में जाना जाता था, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 1957 में स्थापित किया गया था । उसकी महान शहादत को श्रद्धांजलि के रूप में, इस संस्थान का नाम रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर रखा गया था ।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 1995 में संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के अंतर्गत समकक्ष विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया । यह संस्थान शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में भारत में एकमात्र समकक्ष विश्वविद्यालय है ।

समग्र अकादमिक पैटर्न के अनुसरण में तथा भारत और विश्व में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की अवधि को देखते हुए, 3 वर्षीय बीपीई डिग्री कोर्स, 4 वर्षीय बीपीएड, (समेकित) कोर्स में परिवर्तित कर दिए गए हैं जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, पश्चमी क्षेत्र, भोपाल द्वारा मान्यता प्राप्त है ।

शैक्षणिक विवरण

(क) विभाग और कोर्स

(i)	अध्यापक शिक्षा विभाग	बी.पी.एड. (समेकित) - 4 वर्ष एम.पी.एड. - 2 वर्ष
(ii)	अनुसंधान विभाग	एम.फिल - 1 वर्ष

	विकास और अधुनात अध्ययन	पीएचडी (नियमित और अंशकालिक)
(iii)	कोचिंग और फिटनेस विभाग	खेल कोचिं में पीजी डिप्लोमा- 1 वर्ष
(iv)	खेल प्रबंध और पत्रकारिता विभाग	खेल प्रबंध में पीजी डिप्लोमा- 1 वर्ष
(v)	युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय	लागू नहीं
(vi)	स्वास्थ्य विज्ञान एवं योग विभाग	योग और वैकल्पिक पद्धति में पीजी डिप्लोमा- 1 वर्ष
(vii)	कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयुक्त सांख्यिकी विभाग	सूचना और प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा- 1 वर्ष

(ख) कक्षा-वार क्षमता, 2008-09

क्र0सं0	कक्षा	लड़के	लड़कियां	कुल
1	बीपीई-I	100	37	137
2	बीपीई-II	87	38	125
3	बीपीई-III	85	35	120
4	बीपीई- IV	75	24	99
5	एमपीई (प्री0)	46	20	66
6	एमपीई (फाइनल)	37	17	54
7	एम0फिल	28	2	30
8	पीएचडी	3	-	3
	कुल	**461**	**137**	**634**

राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की स्कीम:

इस योजना के तहत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल परिसंघों को भारत में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप तथा अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने, कोचिंग शिविर आयोजित करने, खेल उपकरण प्राप्त करने, विदेशी कोचों की नियुक्ति तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा लगाए गए भुगतान पाने वाले संयुक्त/सहायक सचिवों के वेतन के भुगतान के लिए सहायता उपलब्ध कराती है |

वर्ष 2008-09 के दौरान, सरकार पहले से ही दिसम्बर, 2008 तक विदेश में प्रदर्शनों तथा अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों/राष्ट्रीय चैम्पियनशिपों के आयोजन के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों से प्राप्त प्रस्तावों पर योजनागत शीर्ष के तहत 29.76 करोड़ रु0 का व्यय कर चुकी है | इस व्यय में कोचिंग के लिए जारी

निधियां, उपलब्ध कराने के लिए उपकरण, राखेप द्वारा लगाए गए विदेशी कोचों तथा संयुक्त सचिवों/सचिवों के वेतन भी शामिल हैं ।

प्रतिभा खोज तथा प्रशिक्षण से संबंधित स्कीमः

इस स्कीम के तहत, प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को भारत तथा देश से बाहर प्रशिक्षण व प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा, उपकरणों की खरीद और वैज्ञानिक सहायता के लिए सहायता उपलबध कराई जाती है | सहायता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों जैसे कि कार्चों, खेल वैज्ञानिकों, डाक्टरों इत्यादि की विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त करने और सेमिनार/सम्मेलनों तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में तथा अर्हता प्राप्त करने वाले परीक्षणों में भाग लेने के लिए भी सहायता दी जाती है | यह स्कीम भारतीय खेल प्राधिकरण के द्वारा कार्यान्वित की जाती है |

2008-09 (नवम्बर, 2008 तक) के दौरान, कोचों, खेल वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों तथा रेफरियों/जजों सहित 31 खिलाड़ियों और 36 सहायक कार्मिकों को 1,80,86,415/-रु0 की सहायता की मंजूरी दी गई है |

राष्ट्रीय खेल विकास निधिः

देश में खेल कूद के संवर्धन के लिए निजी/निगमित क्षेत्र तथा अप्रवासी भारतीयों सहित सरकारी तथा गैर-सरकारी स्रोतों से संसाधनों के दोहन के लिए, सरकार का गठन किया था | निधि के लिए अंशदानों को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से, सभी अंशदानों को आयकर से शतप्रतिशत छूट प्रदान की गई है | शुभारंभ करने के लिए, सरकार ने वर्ष 1998-99 के दौरान 2.00 करोड़ रु0 का अंशदान किया | इसके बाद, सरकार का अंशदान अन्य स्रोतों से प्राप्त अंशदानों के अनुरुप है | इस समय, 30.11.2008 की स्थिति के अनुसार, 26.62 करोड़ रु0 की अक्षय निधि है |

अध्यक्ष, भा0कि0कं0बो0 ने फरवरी 2008 में, खेलों के संवर्धन तथा विकास के लिए राष्ट्रीय खेल विकास निधि में 50 करोड़ रु0 के अंशदान का संकल्प लिया | संकल्पित 50 करोड़ रु0 में से ब् मार्च 2008 में 15 करोड़ रु0 का अंशदान पहले ही दे चुका है | भा0कि0कं0बो0 द्वारा दान में दी गई निधियों के प्रशासन के उद्देश्य से, भा0कि0कं0बो0 तथा राष्ट्रीय खेल विकास निधि की कार्यकारी परिषद से चार नामित सदस्यों तथा प्रत्येक अभिज्ञात राष्ट्रीय खेल परिसंघों से एक प्रतिनिधि सहित राष्ट्रीय खेल विकास निधि के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक पृथक भा0कि0कं0बो0 राष्ट्रीय खेल विकास निधि कार्यान्वयन

समिति (बीएनआइसी) का गठन किया गया है | संयुक्त सचिव (खेल) बीएनआइसी के सदस्य-सचिव के रुप में कार्य करेंगे | बीएनआइसी के पास विशेषज्ञों को लेने का भी विकल्प होगा |

बीजिंग ओलंपिक के लिए क्वालिफाइड खिलाड़ियों को या तो प्रत्यक्षतः अथवा उनके राष्ट्रीय खेल परिसंघों के माध्यम से देश में तथा देश से बाहर विशिष्ट प्रशिक्षण, अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग लेने, वैज्ञानिक सहायता, उपकरणों, संलग्नकों, जेब खर्च भत्तों, पोषक अनुपूरकों इत्यादि के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई |

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कारः

श्री महेन्द्र सिंह धोनी, क्रिकेटर को उनके सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2007 का राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया |

अर्जुन पुरस्कार

भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय खेल दिवस अर्थात 29 अगस्त, 2008 को निम्नलिखित खिलाड़ियों को वर्ष 2007 के अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया:

1	सुश्री चित्रा के0 सोमन	एथलेटिक्स
2	श्री अनूप श्रीधर	बैडमिंटन
3	श्री जॉनसन वर्गीस	मुक्केबाजी
4	सुश्री हरिका द्रोनावल्ली	शतरंज
5	श्री अर्जुन अटवाल	गोल्फ
6	श्री प्रभजोत सिंह	हॉकी
7	सुश्री ख0 टोम्बी देवी	जूडो
8	श्री बजरंगलाल ठाकर	रोइंग
9	सुश्री अवनीत कौर सिद्धू	निशानेबाजी
10	सुश्री अलका तोमर	कुश्ती
11	श्री फरमान बाशा	भारोत्तोलन (विकलांगों हेतु)

खेलकूद में जीवनपर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

श्री हुकम सिंह, एथलीट, श्री मुखबैन सिंह, हॉकी तथा श्री ज्ञानि सिंह, कुश्ती को वर्ष 2008 के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

द्रोणाचार्य पुरस्कारः

निम्नलिखित तीन कोचों को वर्ष 2007 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया:-

1	श्री संजीव कुमार सिंह	तीरंदाजी
2	श्री जगदीश सिंह	मुक्केबाजी
3	श्री जी0 ई0 श्रीधरन	वालीबाल

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्राफीः

मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्राफी का शुभारंभ 1956-57 में किया गया था । सभी विश्वविद्यालयों में शिखर पर रहने वाले विश्वविद्यालय को यह ट्राफी प्रदान की जाती है जो कि परिचालित ट्राफी है ।

माका रोलिंग ट्राफी की पुरस्कार राशि में समग्र विजेता विश्वविद्यायों के लिए क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय के लिए वर्तमान 2 लाख रु0, 1 लाख रु तथा 50,000/-रु0 में क्रमशः 10 लाख रु0, 5 लाख रु0 तथा 3 लाख रु0 की वृद्धि की गई है ।

वर्ष 2006-07 के लिए पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला को माका ट्राफी प्रदान की गई है |

अंतर्राष्ट्रीय खेल-स्पर्धाओं में जीतने वाले खिलाड़ियों तथा उनके कोचों के लिए विशेष पुरस्कारः

यह स्कीम 1986 में, सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ियों को अधिकतम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित व अनुप्रेरित करने व युवा पीढ़ी को खेल को अपनी आजीविका के रुप में अपनाने के लिए शुरु की गई थी | इस योजना के तहत, खिलाड़ियों व उनके कोचों की वर्ष में आयोजित मान्यता प्राप्त खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने के लिए पुरस्कार विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं | ओलंपिक खेलों में, पदक विजेताओं के लिए इस वर्ष से नकद पुरस्कार की राशि में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए 30 लाख रु0 से बढ़ाकर 50 लाख रु0, रजत पदक विजेताओं के लिए 18 लाख रु0 से बढ़ाकर 30 लाख रु0 तथा कांस्य पदक विजेताओं के लिए 12 लाख रु0 से बढ़ाकर 30 लाख रु0 कर दी गई है | विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक विजेताओं के लिए दिए गए नकद पुरस्कार की राशि का विवरण निम्नलिखित सारणी में दिया गया है:-

	खेल/चैम्पियनशिप का नाम	राशि		
		स्वर्ण पदक/ प्रथम स्थान	रजत पदक/ प्रथम स्थान	कांस्य पदक/ प्रथम स्थान
(i)	ओलंपिक गेम्स	50 लाख रु0	30 लाख रु0	20 लाख रु0
(ii)	आधिकारिक विश्व कप/ एशियाई खेल/राष्ट्रमंडल खेल	10 लाख रु0	5 लाख रु0	3 लाख रु0
(iii)	एशियाई एवं राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप	3 लाख रु0	2 लाख रु0	1.5 लाख रु0

बीजिंग ओलंपिक के तीन पदक विजेताओं, श्री अभिनव बिंद्रा, श्री विजेन्दर सिंह तथा श्री सुशील कुमार को क्रमशः 50 लाख रु0 तथा 20 लाख रु0 के नकद पुरस्कार पहले ही दिए जा चुके हैं |

कोचों को नकद पुरस्कार भभ् दिए जाते हैं | ऐसे कोच, जिन्होंने खेल से पहले कम से कम 240 दिन तक पदक विजेताओं को प्रशिक्षण दिया है, योजना के तहत नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं | कोच को पुरस्कार राशि का 50 प्रतिशत खिलाड़ी को दिया जाता है जिसे कोचिंग दी गई थी | एक कोच के साथ एक से अधिक कोच होने की स्थिति में, पुरस्कार राशि उनमें बराबर-बराबर बांट दी जाती है |

जनवरी, 2009 तक वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में खेल पदक जीतने वाले 172 खिलाड़ियों तथा कोचों को विशेष नकद पुरस्कारों के रूप में 38748333 की राशि जारी की गई है।

प्रतिष्ठित खेल हस्तियों को पेंशन के लिए खेल निधि स्कीम

यह स्कीम वर्ष 1994 में प्रारंभ की गई थी। इस स्कीम के तहत, उन खिलाड़ियों को जो भारतीय नागरिक हैं तथा जिन्होंने ओलंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों तथा पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीते हों तथा जिनकी आयु 30 वर्ष हो तथा सक्रिय खेल जीवन से संन्यास ले चुके हों, इस स्कीम के तहत जीवनपर्यंत पेंशन पाने के लिए पात्र हैं।

प्रतिष्ठित खिलाड़ियों की पेंशन की राशि दिनांक 1-7-2008 से दुगुनी कर दी गई है जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्र0सं0	प्रतिष्ठित खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की वर्तमान दर (रु0/प्रतिमाह)	बढ़ायी गई पेंशन (रु0/प्रतिमाह)
1	ओलंपिक खेलों में पदक विजेता	5000	10000
2	ओलंपिक और एशियन खेल विधाओं में विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	4000	8000
3	ओलंपिक और एशियन खेल विधाओं में विश्वकप/विश्व चैम्पियनशिप में रजत व कांस्य पदक विजेता	3500	7000
4	एशियन/राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	3500	7000
5	एशियन/राष्ट्रमंडल खेलों में रजत व कांस्य पदक विजेता	3000	6000
6	पैरा-ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	2500	5000
7	पैरा-ओलंपिक खेलों में रजत पदक विजेता	2000	4000
8	पैरा-ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक विजेता	1500	3000

वर्तमान में, इस योजना के तहत 476 खिलाड़ी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण् निधि

राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण निधि कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे अतीत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जिन्होंने खेलों में देश को गौरव प्रदान किया है, सहायता देने के उद्देश्य से मार्च, 1982 में गठित की गई थी । इस योजना के तहत, खिलाड़ियों तथा उनके परिवारों के तहत, खिलाड़ियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सकीय उपचार इत्यादि के लिए पेंशन व एकमुश्त अनुदान के रुप में वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है । युवा कार्य और खेल मंत्री की अध्यक्षता में गठित समिति निधि का प्रबंधन व संचालन करती है । इस समय 30 खिलाड़ी स्कीम के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे हैं । स्कीम के तहत, दिनांक 10-7-2008 से वित्तीय सहायता में आंशिक वृद्धि की गई थी जिसकी 1998 में पुनरीक्षा की गई थी, जिसका विवरण इस प्रकार है ।

- दुर्गम परिस्थितियों में रहने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए पात्रता सीमा संशोधित 3600 रु0 प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2लाख रु0 प्रति वर्ष
- खिलाड़ियों को घातक चोट के लिए सहायता 1 लाख रु0 से 5 लाख रु0 बढ़ा दी गयी है ।
- घातक चोट के अलावा गंभीर चोट के लिए सहायता 40,000/-रु0 से 2 लाख रु0 तक बढ़ा दी गयी है ।
- स्थायी रुप से असमर्थ उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए पेंशन 2500 रु0 प्रति माह से 10,000 रु0 प्रतिमाह बढ़ा दी गयी है ।
- अन्य मामलों में पेंशन 2000 रु0 प्रतिमाह से 8,000 रु0 प्रतिमाह बढ़ा दी गयी है ।
- दरिद्र अवस्था में रह रहे परिवारों के लिए सहायता 40,000 रु0 से 2 लाख रु0 तक बढ़ा दी गयी है ।
- चिकित्सा उपचार के लिए सहायता 40,000 रु0 से 2 लाख रु0 बढ़ा दी गयी है ।
- प्रसिद्ध कोचों, रैफरियों तथा अम्पायरों के लिए सहायता 20,000 रु0 से 50,000 रु0 बढ़ा दी गयी है ।

डोप विरोधी उपाय

- भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय डोप विरोधी एजेंसी की स्थापना की है जो एक स्वायत्तशासी निकाय है और जिसका उद्देश्य डोपिंग के खतरे से खेलों को छुटकारा दिलवाने के लिए सभी उपाय करना है और यह खेल में डोपिंग के विरुद्ध जागरुकता अभियान

आयोजित करने, जांच योजना तथा परिणाम प्रबंधन, शिक्षा और अनुसंधान के लिए जिम्मेदार है। नाडा संहिता अनुमोदित हो चुकी है और 1-1-2009 से प्रभावी है।

- राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला एक स्वायत्तशासी निकाय है जिसे डोप नमूनों के परीक्षण के लिए स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला ने सितम्बर, 2008 में विश्व डोप विरोधी एजेंसी से प्रत्यायन प्राप्त कर लिया है

खेलों और शारीरिक शिक्षा टीमों/विशेषज्ञों का अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान

खेओं और युवा कार्यों पर गणतंत्र भारत की सरकार तथा ब्राजील के संघीय गणतंत्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

खेलों में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा चिली के राष्ट्रीय खेल संस्थान (चिलडे पोर्टेस) के बीच 21 अप्रैल, 2008 को सनतियागो (चिली) में हस्ताक्षर किए गए थे।

युवा तथा खेल सहयोग पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार और इंडोनेशिया गणतंत्र के युवा तथा खेल मामलों से संबंधित राज्य मंत्रालय के बीच 1 दिसम्बर, 2008 को जकार्ता (इंडोनेशिया) में हस्ताक्षर किए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत, आर्मेनिया और भारत की राष्ट्रीय अंडर-20 टीमों के बीच एक शतरंज टूर्नामेंट का 29 नवम्बर से 31 दिसम्बर, 2008 के दौरान नई दिल्ली में आयोजन किया गया था।

क्यूबा के एक चार सदस्यीय विशेषज्ञ शिष्टमंडल ने भारत का दौरान किया और मार्च-अप्रैल, 2008 के दौरान भारत में खेलों के क्षेत्र में निदान संबंधी अध्ययन किया।

लोकप्रिय और सतत वहनीय खेलों का उन्नयन

खेलकूद विधाओं का वर्गीकरण, जो वहनीय है और जिनमें जनसहभागिता शामिल है, जैसे हॉकी, फुटबाल, वालीबाल, बास्केटबाल, तैराकी, साइक्लिंग, उन्हें "प्राथमिकता" के स्तर तक उन्नत किया गया है और उन्हें कोचिंग, प्रशिक्षण अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, राष्ट्रीय चैम्पियनशिपों में सहभागिता तथा खेल उपस्करों की खरीद के लिए बढ़ी हुई वित्तीय सहायता के लिए हकदार बनाया गया है ।

अनुबंध-I

वर्ष 2008-09 के दौरान, एनपीवाइएडी स्कीम के विभिन्न घटकों के तहत निधियों का राज्य-वार दर्शाने वाला विवरण

(रुपयों में)

क्र0 सं0	राज्य का नाम	किशोर	एनआइसी	युवा नेतृत्व	साहस	योग
1	आंध्र प्रदेश	26,10,000	6,46,250			32,56,250
2	अरुणाचल प्रदेश		3,54,375			3,54,375
3	गुजरात	40,81,000	9,06,000	6,00,000	93,750	56,80,750
4	हरियाणा	16,98,000	17,68,750			34,66,750
5	हिमाचल प्रदेश					
6	झारखण्ड				1,87,500	1,87,500
7	केरल	4,56,000				4,56,000
8	मणिपुर	14,33,000	21,71,250			36,04,250
9	नागालैण्ड	22,14,000	7,08,750			29,22,750
10	नएवाइकेएस			1,50,00,000		1,50,00,000
11	उड़ीसा	62,85,900	14,15,100			77,01,000
12	राजस्थान	84,02,100	39,27,750			1,23,29,850
13	उत्तर प्रदेश	35,59,050	12,63,250			48,22,300
14	पश्चिम बँगला	16,70,000	25,91,250		93,750	43,55,000
15	आल इंडिया लेवल एनजीओ		2,01,08,250		2,74,08,000	4,75,16,250
	कुल योग	3,34,09,050		1,56,00,000	2,77,83 ,000	11,26,53,025

अनुबंध-II

वर्ष 2006-07 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची

क्र0सं0	नाम	राज्य का नाम
	व्यक्तिगत नामांकन	
1	श्रीमती कांडे सुदारानी	आंध प्रदेश
2	श्री चक्रवर्ती बेथाला	आंध्र प्रदेश
3	श्री हेनरी डेविड तेरान	असम
4	श्री राजिब दास	असम
5	सुश्री पूजा	बिहार
6	सुश्री प्रिया	चंडीगढ़
7	श्री प्रीतपाल सिंह	चंडीगढ़
8	श्री नवीन कुमार कोटया	दिल्ली
9	श्री संजय राजता	हिमाचल प्रदेश
10	श्री संजीव कुमार गर्ग	हरियाणा
11	सुश्री लीला वंती	हरियाणा
12	सुश्री ममता रानी	हरियाणा
13	श्री अन्दानैया एस0 हिरेमथ	कर्नाटक
14	श्री वी0एस0 लोकेश	कर्नाटक
15	सुश्री फौसिया यूनुस	केरल
16	सुश्री अंबिका सी	केरल
17	श्री जोन्जाम गांधी सिंह	मणिपुर
18	श्री राजेश कुमार मोहन्ती	उड़ीसा
19	श्री जगदीप सिंह बंधन	पंजाब
20	सुश्री अंजु वर्मा	राजस्थान
21	श्री भूपेन्द्र सिंह	राजस्थान
22	सुश्री संतोष गुप्ता	राजस्थान
23	श्री सीताराम खटीक	राजस्थान
24	श्री इन्द्रा कुमार प्रधान	सिक्किम
25	सुश्री अंजली चन्द्रशेक्षर	तमिलनाडु
26	श्री पी0 सिवाकुमार	तमिलनाडु
27	श्री वी0 रमेश	तमिलनाडु
28	श्री जयकन्नन	तमिलनाडु
29	श्री सुब्रता बिश्वास	त्रिपुरा

30	श्री हेमन्त कुमार यादव	उत्तर प्रदेश
31	सुश्री स्वराज विद्वान	उत्तराखंड
32	श्री गुरुमाले सिंह	उत्तराखंड
33	श्री सुकान्ता कुमार पॉल	पश्चिम बंगाल
34	सुश्री पूनम श्रीवास्तव	मध्य प्रदेश
35	श्री जय प्रकाश सूर्यवंशी	मध्य प्रदेश
36	श्री नवीन रामचन्द्र लाडे	महाराष्ट्र
37	श्री प्रनब पारियट	मेघालय
38	श्री पुनीत प्रधान (पुन्नू)	जम्मू व कश्मीर
	स्वयंसेवी संगठन	
39		हरियाणा
40		झारखण्ड